www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 221 || अम्बेडकरनगर
मंगलवार
03 नवम्बर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:16
सूर्यास्तः 05:22
अधिकतमः 31°00
न्यूनतमः 18°00

पेज 07

विशेष समाचार
विपक्षी हुंकार शक्ति-प्रदर्शन... >>पेज 04
रेलवे अफसर का डीआरएम... >>पेज 06
61 के हुए शाहरुख खान...

सीएम योगी का बड़ा हमला- जब-जब सत्ता में आई, अराजकता ही फैलाई

'यूपी के लिए अभिशाप है सपा'

520 करोड़ रुपये से अधिक की 69 विकास परियोजनाओं का शुभारंभ भी किया।

परियोजना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार के कार्यकाल में गोंडा में सबसे बड़ा खाद्यान्न घोटाला हुआ था। उन्होंने कहा, "समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश के लिए अभिशाप है। जब भी यह पार्टी सत्ता में आई, प्रदेश में अराजकता का माहौल पैदा हुआ।"

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए उसे उत्तर प्रदेश के लिए 'अभिशाप' करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि जब-जब प्रदेश में सपा की सरकार बनी, तब-तब अराजकता और अव्यवस्था को बढ़ावा मिला। मुख्यमंत्री सोमवार को गोंडा में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने 520 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 69 विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। सीएम योगी ने कहा कि अब प्रदेश में विकास को लेकर किसी तरह का भेदभाव नहीं किया जाता। बिजली की आपूर्ति केवल रामपुर या सैफई तक सीमित नहीं है, बल्कि गोंडा, बहराइच और बलरामपुर जैसे जिलों को भी समान रूप से बिजली मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार गरीबों को मुफ्त राशन उपलब्ध करा रही है ।

>> (शेष पेज 06 पर)

'वे बदमाश लाते हैं, हम बदलाव लाते हैं'

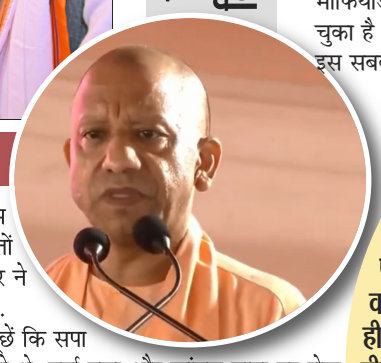

समाजवादी पार्टी के शासनकाल को 'श्राप' करार देते हुए सीएम योगी ने कहा कि एक समय था जब तत्कालीन सपा सरकार ने रामभक्तों पर गोलियां चलाकर उन्हें लहूलुहान किया था, जबकि हमारी सरकार ने रामभक्तों पर पुष्प वर्षा करके भव्य राम मंदिर का मार्ग प्रशस्त किया.

उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अपने परिवार के बुजुर्गों से पूछें कि सपा के समय कैसे पर्व-त्योहारों से पहले उपद्रव और कर्फ्यू शुरू हो जाते थे, दुर्गा पूजा और कांवड़ यात्रा पर रोक लगाई जाती थी. सीएम ने चुटकी लेते हुए कहा कि सपा और कांग्रेस का मतलब अपराध और बदमाशों को बढ़ावा देना है, जबकि बीजेपी आपकी आस्था को सम्मान और जीवन में बदलाव लेकर आती है.

सैफई तक सीमित रहता था विकास कार्यः सीएम योगी

उन्होंने कहा कि आज प्रदेश के सभी 75 जिलों, 350 तहसीलों, 825 विकास खंडों और 762 नगरीय निकायों में तेजी से विकास कार्य कराए जा रहे हैं। सरकार बड़ी-बड़ी योजनाओं को धरातल पर उतार रही है। मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों पर विकास में भेदभाव करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पहले विकास कार्य कुछ चुनिंदा क्षेत्रों तक ही सीमित रहते थे। इनमें सैफई जैसे स्थानों को प्राथमिकता दी जाती थी, जो समाजवादी पार्टी के संस्थापक और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव का पैतृक गांव है।

सीएम योगी का बड़ा ऐलान बिना परीक्षा होगी सीधी भर्ती

'सुरक्षा में सेंध लगाई तो तय है जेल या जहन्नुम'

कानून-व्यवस्था पर अपने कड़े रुख को दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने माफियाओं और दंगाइयों को सीधी चेतावनी दी. उन्होंने कहा कि अब यूपी दंगा और कर्फ्यू से पूरी तरह मुक्त है. अगर किसी ने बहन-बेटियों या व्यापारियों की सुरक्षा में सेंध लगाने का प्रयास किया, तो उसका अंजाम तय है या तो जेल या फिर जहन्नुम! उन्होंने याद दिलाया कि माफियाओं को राज्य में मिट्टी में मिलाया जा चुका है और दंगा करने वालों की पीढ़ियां अब इस सबक को याद रखेंगी.

त्योहारों के इस मौसम में गरीबों और जरूरतमंदों को राहत देते हुए सीएम योगी ने ऐलान किया कि हर गरीब परिवार को रसोई गैस का कनेक्शन दिया जाएगा. इसके साथ ही, इस बार दीपावली के त्योहार से ठीक पहले एक भरा हुआ एलपीजी सिलेंडर पूरी तरह से मुफ्त दिया जाएगा.

- आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार ने पिछले 9.5 वर्षों में अकेले गोंडा जनपद के लिए 16,000 करोड़ से अधिक तथा पूरे देवीपाटन मंडल के लिए लगभग 50,000 करोड़ की विकास परियोजनाएं स्वीकृत की हैं।
- माँ बाराही देवी एवं बाबा पृथ्वीनाथ की असीम कृपा से अभिसिंचित पावन भूमि जनपद गोंडा के मनकापुर एवं गौरा विधान सभा क्षेत्रों में आज 520 करोड़ से अधिक लागत की 69 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।
- इस अवसर पर विभिन्न जनहितकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र, स्वीकृति-पत्र, आयुष्मान कार्ड, आवास व ट्रैक्टर की चाबी एवं चेक का वितरण भी हुआ।
- पावन पर्व दीपावली से पूर्व प्राप्त इन सौगातों हेतु जनपद वासियों को हार्दिक बधाई।

शरद पवार अस्पताल में भर्ती, सीने में दर्द की शिकायत

नई दिल्ली। NCP (SP) प्रमुख शरद पवार को सोमवार को पुणे के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्हें सांस लेने पर बढ़ने वाले सीने के दर्द की शिकायत थी। 85 साल के पवार को खांसी होने के बाद पुणे के प्राइवेट हॉस्पिटल रूबी हॉल क्लिनिक लाया गया। उनकी बेटी, बारामती सांसद और NCP (SP) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने यह जानकारी दी। रूबी हॉल क्लिनिक के मुख्य हृदय रोग विशेषज्ञ, चेयरमैन और मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. पुरवेज के. ग्रांट ने बताया कि पवार की हालत जल्द सामान्य होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि एहतियात के तौर पर पवार को निगरानी में रखा जाएगा। डॉक्टर का कहना है कि ये इमरजेंसी नहीं है अगर ऑक्सीजन, हार्ट रेट नॉर्मल हो, लेकिन एंटीबायोटिक, दर्द की दवा और आराम से 3-5 दिन में ठीक हो जाता है।

नौसेना को मिलेंगे आठ नए युद्धपोत मिसाइल और सेंसर सिस्टम से लैस होंगे

रक्षा मंत्रालय से 53,866 करोड़ का करार

समझौता

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के लिए 8 नए युद्धपोत बनाने के लिए 53,866.50 करोड़ के समझौते पर साइन किए हैं। ये नेक्स्ट जनरेशन कॉर्वेट यानी नई पीढ़ी के युद्धपोत होंगे।

इनमें आधुनिक मिसाइल, हथियार और सेंसर सिस्टम लगाए जाएंगे। इन युद्धपोतों को बनाने की जिम्मेदारी दो भारतीय कंपनियों को दी गई है।

इनमें कोलकाता की गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (GRSE) पांच और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (GSL) तीन युद्धपोत बनाएगी। सोमवार को नई दिल्ली के कर्तव्य भवन-2 में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में इस समझौते पर साइन किए गए। नेक्स्ट जनरेशन कॉर्वेट में आधुनिक मिसाइल, हथियार और सेंसर सिस्टम लगाए जाएंगे। इनकी मदद से नौसेना हवा, समुद्र की सतह और पानी के नीचे से आने वाले खतरों का मुकाबला कर सकेगी।

- दुश्मन के जहाजों और पनडुब्बियों पर नजर रखेंगे

>> (शेष पेज 06 पर)

दिल्ली- एनसीआर में दीपावली पर सिर्फ ग्रीन पटाखे फोड़ सकेंगे

अस्पताल-वृद्धाश्रम जैसे साइलेंस जोन में रोक, सुप्रीम कोर्ट ने लगातार दूसरे साल परमिशन दी

अनुमति

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-NCR में 7 और 8 नवंबर 2026 को ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी है। पटाखे केवल सुबह 6 से 7 बजे और रात 8 से 10 बजे तक जलाए जा सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक एवं जिला स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और अधिसूचित साइलेंस जोन के 300 मीटर के दायरे में पटाखे जलाने पर रोक लगाई है।

>> (शेष पेज 06 पर)

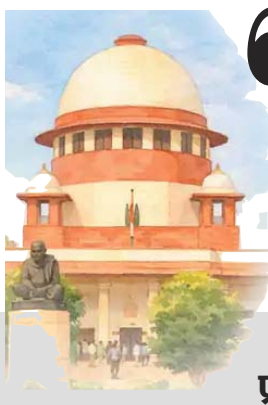

ग्रीन पटाखे ऐसे पटाखे होते हैं, जिन्हें सामान्य पटाखों के मुकाबले कम प्रदूषण फैलाने के लिए बनाया जाता है। इनमें हानिकारक रसायनों का इस्तेमाल कम किया जाता है, जिससे इनके जलने पर कम धुआं और कम हानिकारक गैसें निकलती हैं।

कोर्ट में बताया- देश में वायु प्रदूषण से 20 लाख मौतें

मामले में कोर्ट की सहायता कर रहीं एमिकस क्यूरी और वरिष्ठ वकील उत्तरा बब्बर ने वायु प्रदूषण से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी नुकसान और दिल्ली-NCR में पटाखे जलाने के खतरों के बारे में बताया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

भाजपा का दावा- राहुल-प्रियंका में मतभेद

नई दिल्ली। भाजपा ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस में दो गुट बन चुके हैं, जिसकी वजह राहुल और प्रियंका गांधी के बीच मतभेद है। भाजपा सांसद और प्रवक्ता संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि राहुल ने अपनी बहन को INDIA ब्लॉक के दो प्रदर्शनों में बोलने नहीं दिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को डर है कि प्रियंका को आगे बढ़ाने पर वे खुद पीछे हो सकते हैं।

अलर्ट सतर्क

यूपी के 10 शहरों में कोहरा, वाराणसी में 2 फ्लाइट डायवर्ट

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में 3 दिन लगातार हुई बारिश के बाद ठंड शुरू हो गई। सोमवार सुबह वाराणसी, गोरखपुर, देवरिया समेत 10 से ज्यादा शहरों में घना कोहरा छाया रहा। वाराणसी में सुबह 7 बजे विजिबिलिटी 200 मीटर रह गई। इससे दो फ्लाइट नहीं उतर सकीं। इंडिगो की बेंगलुरु और दिल्ली से आने वाली फ्लाइट को लखनऊ डायवर्ट किया गया। राजस्थान में रविवार को अधिकांश शहरों में अधिकतम तापमान सामान्य से कम दर्ज हुआ। राजस्थान में सबसे ठंडा इलाका माउंट आबू रहा, जहां न्यूनतम तापमान 12.7°C था।

दिल्ली में सीजन की सबसे खराब हवा

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में सोमवार को हवा इस सीजन में सबसे ज्यादा खराब हो गई है। इसके बाद सरकार ने ग्रैप-2 की पाबंदियां लागू कर दी हैं। लोगों से निजी गाड़ियों का इस्तेमाल कम करने और बस-मेट्रो से सफर करने की अपील की गई है। पार्किंग फीस बढ़ेगी और खुले में कचरा जलाने पर रोक रहेगी।

देश की दया पर हो, बुराई नहीं कर सकते : जज

बॉम्बे हाईकोर्ट की इमरान खान को फटकार

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। एक्टर इमरान खान ने SIR के खिलाफ मुंबई में हुए प्रदर्शन में शामिल होने के लिए बिना शर्त माफी मांग ली है। उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट से कहा है कि वे भविष्य में इस तरह के किसी भी विरोध प्रदर्शन में हिस्सा नहीं लेंगे। बॉम्बे हाईकोर्ट इमरान को मिलने देश छोड़ा नोटिस के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था। कोर्ट ने उन्हें बिना शर्त माफी मांगने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस महेश चंद्र त्रिपाठी और जस्टिस अद्वैत सेठना की बेंच ने कहा था-भारत की उदारता देखिए कि एक अमेरिकी

- एक्टर बोले- किसी प्रोटेस्ट में नहीं जाऊंगा

नागरिक को तुरंत देश से बाहर निकालने या डिपोर्ट करने के बजाय पहले एक नोटिस देकर देश छोड़ने के लिए कहा गया। अगर किसी भारतीय नागरिक ने विदेश में ऐसा ही कुछ किया होता, तो उसे अगली ही फ्लाइट से भारत वापस भेज दिया जाता। आप देश की दया पर हो, इसलिए बुराई नहीं कर सकते।

>> (शेष पेज 06 पर)

मोदी विदेशी मदद से पीएम बने : राहुल

भाजपा अध्यक्ष बोले- विदेशी ताकतें देश अस्थिर करना चाहती हैं, राहुल इस्तेमाल हो रहे

विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया X पर पोस्ट की। उन्होंने लिखा कि नरेंद्र मोदी विदेशी मदद से प्रधानमंत्री बने और उन्हीं की मदद से प्रधानमंत्री बने हुए हैं। वहीं, भाजपा देशभर में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान चला रही है। इसी कड़ी में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कोलकाता में रैली की।

यहां उन्होंने कहा कि विदेशी ताकतें देश में अस्थिरता लाना चाहती हैं। इसके लिए राहुल गांधी का इस्तेमाल किया जा रहा है।

- राहुल गांधी लगातार दो दिनों से विपक्षी नेताओं को एकजुट कर SIR के खिलाफ विरोध जता रहे हैं। उन्होंने 31 अक्टूबर को कहा था कि 2024 का चुनाव अवैध है।

रामलीला मैदान में SIR के खिलाफ रैली में कई विपक्षी दल शामिल हुए। राहुल गांधी ने कहा, 'ज्ञानेश कुमार रात को सो नहीं पाता। वो डर रहा है, उसने सबसे बड़ा क्राइम किया है। देश की आवाज को बंद करने की कोशिश की,

जब कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक के सहयोगी चुनाव हार जाते हैं तो वे चुनाव आयोग सहित संवैधानिक संस्थाओं और ईवीएम के जरिए चुनाव कराए जाने की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हैं। - नितिन नवीन

उसका गला घोंटा है।' उन्होंने कहा, 'न तो मोदी, न ही शाह, वो भी सो नहीं पा रहे। हम दुश्मनी वाले लोग नहीं है। हमें नफरत नहीं, मोहब्बत फैलानी है।

>> (शेष पेज 06 पर)

नितिन नवीन बोले- राहुल विदेशी ताकतों के टूलकिट

कोलकाता में नितिन नवीन ने कहा कि राहुल गांधी उन ताकतों की एक टूलकिट हैं, जिन्होंने नेपाल और अन्य पड़ोसी देशों में अशांति पैदा की।

वह उन ताकतों का नेतृत्व कर रहे हैं, जो पूरे देश में अराजकता लाना चाहता है। उनके पास कोई विजन नहीं है। कांग्रेस के पूरी तरह खत्म होने के लिए वही जिम्मेदार होंगे। बंगाल विधानसभा चुनावों के दौरान राहुल यहां आए थे और उन्होंने ममता बनर्जी सरकार के भ्रष्टाचार और कुशासन के खिलाफ बात की थी। अब वे दोनों एक ही मंच साझा कर रहे हैं। अगर कांग्रेस और राहुल गांधी ने चुनावी हार से सबक लिया होता तो वे इलेक्शन कमीशन पर बेबुनियाद आरोप नहीं लगाते। अगर आपको चुनाव प्रक्रिया से कोई दिक्कत है तो आप केरल और तमिलनाडु में सवाल क्यों नहीं उठा रहे, जहां आप या आपके सहयोगी जीते हैं।

नारायण फाउंडेशन ने अस्पताल में मरीजों को बांटे फल-कंबल, जरूरतमंद महिलाओं को दी साड़ी

जनसेवा के 10 आयोजनों से मना विवेक मौर्य का जन्मदिन

कार्यक्रम

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। जन्मदिन को जनसेवा के अलग-अलग आयोजनों से जोड़ते हुए नारायण फाउंडेशन के संरक्षक और भाजपा जिला उपाध्यक्ष विवेक मौर्य ने रविवार को कई कार्यक्रमों में सहभागिता की। फाउंडेशन की ओर से रक्तदान शिविर लगाने के साथ अस्पताल में मरीजों को फल और कंबल बांटे गए। जरूरतमंद महिलाओं को साड़ी-कंबल दिए गए तो सड़क सुरक्षा के लिए दोपहिया

नारायण फाउंडेशन की ओर से जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर भी लगाया गया। शिविर में 50 से अधिक यूनिट रक्त एकत्र हुआ। इसके साथ ही अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल और कंबल वितरित किए गए। इस दौरान जिला अस्पताल के सीएमएस पीएन यादव मौजूद रहे।

वाहन चालकों को हेलमेट वितरित किए गए। दिनभर चले कार्यक्रमों में गौसेवा, मंदिर परिसर की सफाई, पौधरोपण और स्कूली बच्चों को बैग वितरण भी शामिल रहा। अकबरपुर शहर में दोपहिया वाहन चालकों को 100 से अधिक हेलमेट वितरित किए गए। इस दौरान वाहन चालकों से हेलमेट पहनने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई। >> (शेष पेज 06 पर)

मंदिर परिसर की सफाई से हुई दिन की शुरुआत

कार्यक्रमों की शुरुआत सुबह जौहरडीह स्थित अर्धनारीश्वर मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान और पौधरोपण के साथ हुई। इसके बाद विवेक मौर्य फाउंडेशन के सदस्यों के साथ भाऊपुर गांव स्थित गोशाला पहुंचे। वहां गौसेवा की। इसके बाद मोहसिनपुर प्राथमिक विद्यालय में बच्चों के बीच जन्मदिन का केक काटा और उन्हें स्कूली बैग वितरित किए।

राजस्थान में करंट लगने से आठ मजदूरों की मौत

मशीन हाईटेंशन लाइन की चपेट में आई

दुर्घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

उदयपुरवाटी (झुंझुनूं)। राजस्थान के झुंझुनूं में सोमवार को सड़क बना रहे 8 मजदूरों की करंट लगने से मौत हो गई। 5 अन्य झुलस गए। हादसा उदयपुरवाटी के छापोली गांव में सुबह 10 बजे हुआ।

उदयपुरवाटी SHO रामपाल ने बताया- हादसा छापोली-कदंब कुंड मार्ग पर सीकर-नीमकाथाना स्टेट हाईवे से करीब 150 मीटर दूर हुआ। घटना के बाद ग्रामीणों ने धरना शुरू कर दिया। 7 घंटे बाद शाम 5 बजे मुआवजा और संविदा पर नौकरी के आश्वासन के बाद धरना खत्म कर दिया। रोड़ी-बजरी मिलाने के काम में आने वाली मशीन ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आ गई।

इससे उसमें करंट फैल गया। वहां काम कर रहे मजदूर करंट की चपेट में आ गए।

- 15-15 लाख मुआवजा और संविदा पर नौकरी देने पर सहमति

>> (शेष पेज 06 पर)

अखिलेश को पता नहीं जाना कहां है : आकाश आनंद

जनसभा

भाजपा फ्री राशन बांटकर बच्चों का भविष्य बिगाड़ रही, डबल इंजन की सरकार तेल ज्यादा पीती है

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर । सहारनपुर में सोमवार को बसपा प्रमुख मायावती के भतीजे आकाश आनंद ने जनसभा की। उन्होंने कहा- सपा भाजपा की बी-टीम है। तभी भाजपा के राज्यसभा सांसद परिमल नाथवानी के बेटे धनराज नाथवानी को टिकट दिया। आकाश ने कहा- अखिलेश यादव की राजनीति की दिशा ही तय नहीं है। कभी PDA में पंडितों की बात होती है तो कभी पिछड़ों की। यूपी में भाजपा की डबल इंजन की सरकार है, इसीलिए तेल ज्यादा पीती है। भाजपा और सपा दोनों की सरकारों में जंगलराज देखने को मिला। प्रदेश में 25 हजार सरकारी स्कूल बंद कर दिए गए। डेढ़ लाख से ज्यादा शिक्षकों की भर्ती अब तक अधूरी है। युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं। सरकार सुरक्षा, शिक्षा व रोजगार देने में नाकाम है।

आकाश आनंद ने कहा कि सपा-कांग्रेस ने संविधान की किताब दिखाकर बहुजन समाज से वोट मांगे, लेकिन समाज के हित में कोई काम नहीं किया। अखिलेश यादव की चौधरी चरण सिंह के परिवार पर टिप्पणी को भी उन्होंने दुर्भाग्यपूर्ण बताया। आकाश आनंद ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी राजनीति की दिशा स्पष्ट नहीं है।

कभी PDA में पंडित की बात होती है तो कभी पिछड़ों की। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो नेता खुद अपनी दिशा तय नहीं कर पा रहा, वह समाज को क्या दिशा देगा?

आकाश आनंद ने कहा कि नोएडा से आगरा तक एक्सप्रेसवे बनाने के बाद भाजपा सरकार ने दूसरे एक्सप्रेसवे भी बनाने की कोशिश की, लेकिन नकल के लिए भी अकल की जरूरत होती है।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 16 साल बाद भी वह एक्सप्रेसवे बिना गड्ढों के खड़ा है।भाजपा की डबल इंजन सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि यह सरकार तेल ज्यादा पीती है।

आकाश आनंद ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) से लोगों की जिंदगी आसान हुई है, लेकिन कई लोगों की नौकरियां भी गई हैं और आने वाले समय में यह खतरा बढ़ सकता है।

उन्होंने सवाल उठाया कि AI के दौर में SC-ST और OBC समाज के युवाओं को इसकी पढ़ाई और प्रशिक्षण देने के लिए केंद्र और भाजपा सरकार ने क्या व्यवस्था की है?

> आकाश आनंद ने कहा कि गुर्जर हो या जाट, हर समाज के लोग बहुजन समाज पार्टी के समर्पित सिपाही हैं। सभी वर्गों के लोग बहन मायावती को अपना नेता मानते हैं। उन्होंने कहा कि बसपा का आंदोलन सभी समाजों को साथ लेकर चलने का काम करता है।

'10 हजार के राशन से बेहतर 30 हजार की नौकरी'

आकाश आनंद ने कहा कि एक सरकारी चपरासी की नौकरी में कम से कम 30 हजार रुपये महीने की पगार मिल सकती है। यानी सालाना करीब 3.60 लाख रुपये की कमाई होती है। उन्होंने कहा कि सरकार 10 हजार रुपये के राशन के जरिए लोगों को अपने पैरों पर खड़ा होने के बजाय उस पर निर्भर रख रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या 10 हजार रुपये के राशन के बदले युवाओं को रोजगार और आत्मनिर्भरता से दूर रखना ही विकसित प्रदेश की पहचान है?

'सपा भाजपा की बी-टीम, भाजपा सांसद के बेटे को दिया टिकट'

आकाश आनंद ने सपा को भाजपा की बी-टीम बताते हुए कहा कि सपा ने भाजपा के एक सांसद के बेटे को चुनाव में टिकट दिया था। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने लोकसभा में अखिलेश यादव को अपना दोस्त बताते हुए कहा था कि वह समय-समय पर उनकी मदद करते रहते हैं। आकाश आनंद ने इसी आधार पर सपा पर निशाना साधा।

वाराणसी में ढाई साल तक दौड़ाती रही पुलिस

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी में जून 2024 में हुई रिक्शा चालक की हत्या मामले में कोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (CJM) की अदालत ने इस मामले में पुलिस की लापरवाही मानते हुए दो नामजद सहित पांच पर मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है।

शिवपुर थाना क्षेत्र के इन्दपुर में जून 2024 में हुई ई-रिक्शा चालक अरविंद कुमार पटेल (33) की हत्या के मामले में अदालत ने यह आदेश दिया है। कार्रवाई घटना के करीब ढाई साल बाद की है। जिसमें हत्या और साक्ष्य मिटाने की धाराएं लगाई गई हैं।

अरविंद पटेल के पिता इन्दपुर निवासी कुंवर प्रसाद पटेल के अनुसार- उनका बेटा अरविंद ई-रिक्शा चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। 16 जून 2024 की सुबह करीब 8:30 बजे वह ई-रिक्शा लेकर घर से निकला था।

आरोप है कि रास्ते में दीपक कुमार उपाध्याय और राजू पटेल ने तीन-चार अज्ञात लोगों के साथ मिलकर उसे रोक लिया। इसके बाद आरोपी उसे जबरन काशीराम आवास की ओर ले गए। कुछ स्थानीय राहगीरों ने भी अरविंद को आरोपियों के साथ जाते हुए देखा था। पिता का आरोप है कि अपहरण के बाद उसी दिन अरविंद की हत्या कर दी गई और शव को इन्दपुर खोरी स्थित मां गायत्री स्कूल के सामने दक्षिण तरफ एक खेत में फेंक दिया गया। दोपहर करीब दो बजे नामजद आरोपी दीपक कुमार उपाध्याय और एक अन्य उनके घर पहुंचा।

फास्ट न्यूज

वाराणसी में नगर निगम हटा रहा 200 गुमटियां

वाराणसी। नगर निगम कार्यालय के पास लगी करीब 200 गुमटियों को हटाने की कार्रवाई को लेकर दुकानदारों में नाराजगी है। यहां 30 से 40 साल से ठेला और गुमटी लगाकर परिवार चलाने वाले दुकानदारों का कहना है कि नगर निगम ने पहले उनका रजिस्ट्रेशन किया। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत बैंक से लोन भी दिलाया और अब उन्हें अवैध बताकर हटाया जा रहा है।

वाराणसी के डॉक्टर दंपति से 3 करोड़ की साइबर ठगी

वाराणसी । वाराणसी के एक चिकित्सक दंपति से 3 करोड़ की ठगी हो गई। साइबर जालसाजों ने शेयर ट्रेडिंग और आईपीओ (IPO) में भारी मुनाफे का झांसा देकर उनके साथ फ्रॉड किया। उनकी शिकायत पर पुलिस ने जालसाजों के खातों में मौजूद 87 लाख रुपए होल्ड करा दिए हैं।

पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पीड़ित कतर की राजधानी दोहा में रहते हैं। फिलहाल उनकी शिकायत पर साइबर क्राइम पुलिस एक्टिव है और जालसाजों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

लहरतारा में व्यापारी बैठक

वाराणसी । वाराणसी के लहरतारा स्थित प्रदेश उपाध्यक्ष सौरभ श्रीवास्तव के प्रतिष्ठान पर व्यापारी जनता पार्टी की बैठक आयोजित की गई। इसमें संगठन की गतिविधियों और व्यापारियों से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकुमार गुप्ता और प्रदेश अध्यक्ष मोहन यादव प्रमुख रूप से शामिल रहे। इसके अलावा जिला महासचिव प्रदीप विश्वकर्मा, युवा प्रदेश महामंत्री प्रदीप अग्रहरि और जिला मीडिया प्रभारी श्याम पांडे भी मौजूद रहे।

प्लास्टिक की 7 बोरियों में भरा था, जांच के लिए 6 सैंपल लैब भेजे गए

मांस से भरी वैन पकड़ी गई विहिप का हंगामा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में सोमवार को मांस से भरी एक वैन पकड़ी गई। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने वैन में प्रतिबंधित मांस ले जाने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। नामजद चार आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। वैन के अंदर प्लास्टिक की 7 बोरियों में मांस भरा था। सूचना पर पहुंचे पशु विभाग के डॉक्टर ने 6 मांस के टुकड़े जांच के लिए लैब भेजे हैं। मामला रहीमाबाद थाना क्षेत्र का है।

आरोप है कि वैन चालक मोहम्मद फैजूल हरदोई जनपद के संडीला के टिकरा बरार निवासी है। पूछताछ में चालक ने बताया कि वह मलिहाबाद कस्बे के चौधराना से इरशाद के वहां से मांस लेकर आ रहे थे। उनके पीछे दो साथी रिजवान और इस्लाम मोटरसाइकिल से आ रहे थे। जो पुलिस को देखकर मौके से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ओमनी वैन को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने रहीमाबाद पशु चिकित्साधिकारी नीरज कुमार को बुलाकर मांस की सैंपलिंग करा दिया। पशु चिकित्साधिकारी ने बताया कि 6 सैंपल लैब के लिए भेज दिए गया है। लैब से रिपोर्ट आने के बाद ही पुष्टि हो सकेगी कि किस जानवर का मांस है।

रेलवे फाटक के पास पकड़ा, मलिहाबाद से लाया था

रुसेना निवासी विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के विभाग मंत्री भूपेंद्र अर्कवंशी ने बताया- सोमवार सुबह साढ़े 8 बजे वह अपने संगठन के कार्य से रहीमाबाद जा रहे थे। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि एक सफेद-सिल्वर रंग की वैन से तीन अज्ञात व्यक्ति संदिग्ध मांस लेकर जा रहे हैं।

सूचना मिलने पर वह अपने साथियों को लेकर रहीमाबाद रेलवे फाटक के पास पहुंचे। उन्होंने बताया कि मौके पर वैन दिखाई देने पर उन्होंने उसे रोककर जानकारी करने का प्रयास किया। आरोप है कि वैन में 7 शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। हादसा जिला मुख्यालय से करीब 46 किमी दूर नेशनल हाईवे-28 पर हाटा कोतवाली क्षेत्र में सोमवार रात करीब 11:30 बजे हुआ। मृतकों में रामबिलास प्रसाद (65), उनके बड़े बेटे कन्हैया प्रसाद (40), छोटे बेटे राम मिलन (35), पड़ोसी मृदुल मिश्रा (37), भतीजे रंजय (35) और चालक मिथलेश (22) शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, कप्तानगंज थाना क्षेत्र के भलूही गांव के रहने वाले रामबिलास प्रसाद रहते थे। उनके बड़े कन्हैया प्रसाद की पत्नी कमलावती मौजूदा ग्राम प्रधान हैं।

विधानसभा अध्यक्ष ने विद्यार्थियों को बताया कि लोकतंत्र की मजबूती में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है

फातिमा कॉलेज ऑफ नर्सिंग के विद्यार्थियों ने किया विधानसभा का भ्रमण, महाना से की भेंट

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। फातिमा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, लखनऊ के बी.एससी. नर्सिंग 7वें सेमेस्टर (बैच 2023-24) के विद्यार्थियों ने आज उत्तर प्रदेश विधानसभा का शैक्षणिक भ्रमण किया। विद्यार्थियों के साथ कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकगण भी उपस्थित रहे। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विधानसभा भवन की कार्यप्रणाली, सदन की व्यवस्था तथा विधायी प्रक्रिया के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने उत्तर प्रदेश विधानसभा के माननीय अध्यक्ष श्री सतीश महाना से भेंट की। श्री महाना ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें लोकतांत्रिक व्यवस्था में विधानमंडल की भूमिका और जनप्रतिनिधियों के दायित्वों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के लिए विधानसभा का भ्रमण केवल एक शैक्षणिक गतिविधि नहीं, बल्कि लोकतंत्र की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझने का अवसर भी है।

इस अवसर पर फातिमा कॉलेज ऑफ नर्सिंग के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

> विद्यार्थियों ने विधानसभा भवन के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण किया तथा सदन की कार्यवाही, विधायी प्रक्रिया और विधानसभा की ऐतिहासिक एवं लोकतांत्रिक परंपराओं के बारे में जानकारी ली। विद्यार्थियों ने विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना के साथ हुई भेंट को अपने लिए प्रेरणादायी और ज्ञानवर्धक अनुभव बताया।

लोकतंत्र की मजबूती में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका

विधानसभा अध्यक्ष ने विद्यार्थियों को बताया कि लोकतंत्र की मजबूती में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने अध्ययन के साथ-साथ देश और प्रदेश की सामाजिक एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था को समझने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले युवाओं को अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक रहना चाहिए।

आरोप है कि वैन में 7

दुर्घटना : ट्रेलर और ईको वैन में टक्कर, तिलक के फंक्शन से लौट रहे थे कुशीनगर में पिता-2 बेटे समेत 6 की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

हाटा (कुशीनगर)। कुशीनगर में ट्रेलर और मारुति ईको वैन की आमने-सामने की टक्कर हो गई। वैन सवार पिता-दो बेटों समेत 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हैं। सभी लोग रिश्तेदार के तिलक समारोह से होकर लौट रहे थे।

हादसे के बाद मौके पर अफरात-फरी मच गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन के परखच्चे उड़ गए। उसमें सवार 8 लोग अंदर ही फंस गए। धमाके जैसी आवाज हुई। ट्रेलर का केबिन टूटकर मुड़ गया। सड़क पर वैन के पार्ट्स बिखर गए। आगे का हिस्सा पिचककर पीछे से सीटों से भिड़ गया।

राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने गैस कटर से ईको के गेट काटकर फंसे लोगों को निकाला।

इनकी हुई मौत

> बताया जाता है कि वैन में फुल वॉल्यूम पर गाना बज रहा था। इसी दौरान घर से करीब 45 किमी पहले एनएच-28 पर हाटा कोतवाली क्षेत्र के हाटा-पिपराइच मार्ग पर थरुआडीह गांव के पास उनकी वैन सामने से आ रहे ट्रेलर से टकरा गई।

तिलक में शामिल होकर लौट रहे थे

तिलक में शामिल होने के लिए रामबिलास अपने दो बेटों कन्हैया प्रसाद, राम मिलन और राम मिलन के दोनों बेटे आयुष और आर्यन को लेकर गांव से जा रहे थे। इसके लिए उन्होंने गांव के ही मिथिलेश की ईको वैन बुक की थी। जाते समय प्रधान प्रतिनिधि कन्हैया ने अपने पड़ोसी मृदुल मिश्रा और भतीजे रंजय गुप्ता को भी साथ में ले लिया।

वैन में सभी 8 लोग सवार होकर देवराज पिपरा गए। वहां कार्यक्रम में शामिल होने के बाद सभी रात को घर भलूही गांव लौट रहे थे।

उस्ताद बिस्मिल्लाह खां का घर तोड़कर म्यूजियम बनाने पहुंचे बिल्डर

काशी में परिजनों ने विरोध किया, बोले- कागज दिखाओ

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां के तीन मंजिला पैतृक मकान में म्यूजियम बनाया जाएगा। रविवार को बिल्डर मकान में तोड़फोड़ करने पहुंचे तो परिजनों ने विरोध कर दिया। उन्होंने बिल्डर से मकान तोड़ने से जुड़े दस्तावेज और प्रशासनिक अनुमति दिखाने की मांग की। विवाद बढ़ता देख पुलिस को बुलाया गया।

अधिकारियों ने पहले मौके पर ही मामला शांत कराने की कोशिश की। बात नहीं बनी तो दोनों पक्षों को पुलिस चौकी बुलाकर समझौता कराया गया।

बिस्मिल्लाह खां के परपोते गाजी अब्बास ने बताया कि दादा हुजूर की याद में मकान की दूसरी मंजिल पर 15×15 फीट यानी 225 वर्ग फीट में म्यूजियम बनाया जाएगा। इसमें लोग आकर उस्ताद की निशानियां देख सकेंगे। खां साहब का सामान म्यूजियम में सुरक्षित रखा जाएगा।

फिलहाल इसे मकान के दूसरे हिस्से में शिफ्ट किया जा रहा है।

उस्ताद बिस्मिल्लाह खां के 5 बेटे और 3 बेटियां थीं। बिस्मिल्लाह खां की मौत के बाद उनके दूसरे नंबर के बेटे नैय्यर हुसैन को उनकी विरासत मिली थी। जबकि मकान बड़े बेटे मेहताब हुसैन के नाम पर दर्ज है। वर्तमान में यहां नैय्यर हुसैन खां का परिवार रहता है। जिसमें 35 सदस्य हैं। बिस्मिल्लाह के पोते गाजी अब्बास ने बताया- 10 साल से मेरे पिता नासिर अब्बास और बड़े दादा महताब हुसैन के बेटे मोहम्मद सिब्तैन के बीच विवाद है। रविवार को जब बिल्डर आए तो हम लोगों ने विरोध किया था।

तंज : कहा-प्रियंका गांधी का परिवार ने ही वोट चोरी किया, घुसपैठियों को घुसने नहीं देंगे

विपक्ष की दिल्ली रैली फ्लॉप शो : संबित पात्रा

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । भाजपा सांसद और प्रवक्ता संबित पात्रा सोमवार को वाराणसी पहुंचे। सर्किट हाउस में उन्होंने SIR पर प्रेसवार्ता की। संबित पात्रा ने कहा कि कहीं गांधी परिवार के अंदर ही प्रियंका वाड्रा का वोट चोरी तो नहीं हो गया? कहीं उनके भाई डर तो नहीं गए?

मुझे लगता है कांग्रेसियों को इस पर थोड़ा ध्यान देना चाहिए कि कहीं गांधी परिवार के इलेक्टोरल रोल से प्रियंका जी का नाम तो नहीं कट गया है? वहां भी बताइए उनके बेले को कि प्रियंका जी से भी फॉर्म सिक्स जरा भरवा लें। स्वाभाविक रूप से एसआईआर की गिनती भी इनकी ऐसी ही है। जो संख्या देते हैं वो गलत होती है। जो 13 करोड़ बता रहे वो भी गलत है। संबित पात्रा ने ममता बनर्जी पर तंज कसते हुए कहा - कल तो मुझको बहुत हंसी आई। जब ममता बनर्जी का भाषण सुना मैंने। ममता दीदी ने गाना गाकर सुनाया जॉनी, जॉनी- यस पापा, जॉनी, जॉनी- यस पापा। SIR- नो पापा। इस्तीफा- यस पापा। मैं भी लिख के लाया हूं ममता जी के लिए। दीदी आप भी सुनिए। 'बांग्लादेशी बांग्लादेशी, यस मम्मा यस मम्मा। विल मेक यू एंटर इंडिया, यस मम्मा यस मम्मा। विल गिव यू आधार कार्ड, यस मम्मा यस मम्मा। बांग्लादेशी बांग्लादेशी, वोट फॉर टीएमसी, यस मम्मा यस मम्मा। बांग्लादेशी बांग्लादेशी, वी विल मेक फूल ऑफ इंडिया, हा-हा-हा... हा-हा-हा...'

> स्वाभाविक रूप से एसआईआर की गिनती भी इनकी ऐसी ही है। जो संख्या देते हैं वो गलत होती है। जो 13 करोड़ बता रहे वो भी गलत है।

किसी भी कीमत पर घुसपैठियों को नहीं घुसने देंगे

संबित पात्रा ने साफ किया कि किसी भी हाल में देश में घुसपैठियों को नहीं रहने देंगे। उन्होंने कहा - जो नेहा बोरा बोल रही है बांग्लादेश से हमने सीख लिया है। सत्ता परिवर्तन करेंगे, सड़क पे अराजकता करेंगे। तो यह गलत है।

कल भी रामलीला मैदान में हमने देखा किस प्रकार से फ्लॉप शो रहा। पूरा का पूरा फ्लॉप शो रहा। बोल रहे थे 10 लाख लोग आएंगे, 20 हजार लोग भी पूरी तरह से इकट्ठे नहीं हो पाए। 50% रामलीला मैदान कल खाली था।

प्रियंका गांधी चल रहीं नाराज

संबित पात्रा ने कल की रैली का जिक्र करते हुए कहा - प्रियंका गांधी नाराज नजर आ रही थीं। और परसों भी नाराज़ थीं। क्योंकि वो मॉक पार्लियामेंट में नहीं बोलीं। नेहा बोरा बोल रही थीं मॉक पार्लियामेंट में। क्यों? क्यों नहीं बोलीं प्रियंका? प्रियंका को बोलने का मौका नहीं मिला मॉक पार्लियामेंट में? बाकी पूरी दुनिया ने बोला, मगर प्रियंका वाड्रा नहीं बोलीं मॉक पार्लियामेंट में। तो क्या वो नाराज हैं।

राजधानी में सहकारी समिति के कर्मचारियों ने मांगी इच्छा मृत्यु

12 दिन से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे, बोले- 8 साल से वेतन नहीं मिला

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (बी-पैक्स) के कर्मचारियों ने राष्ट्रपति से सामूहिक इच्छा मृत्यु की अनुमति मांगी है। एम-पैक्स कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष शैलेन्द्र तिवारी ने इस संबंध में राष्ट्रपति को पत्र भेजा है।

उनका कहना है कि 8 से 10 साल से नियमित वेतन नहीं मिलने के कारण परिवार का भरण-पोषण और बच्चों की पढ़ाई तक मुश्किल हो गई है। कर्मचारी 12 दिन से इको गॉर्डन में धरने पर बैठे है। कर्मचारियों में सरकार के खिलाफ गहरी नाराजगी है।

संघ का आरोप है कि आंदोलन शुरू करने के बाद प्रदेश के सभी 75 जिलों में कर्मचारियों को प्रदर्शन से रोकने का प्रयास किया गया। आंदोलन में शामिल कर्मचारियों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। कुछ के खिलाफ निलंबन और एफआईआर जैसी कार्रवाई भी की जा रही है। कर्मचारियों का कहना है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। संघ के मुताबिक, कर्मचारी वर्ष 2018 से नियमित वेतन की मांग उठा रहे हैं। इस संबंध में कई बार विभागीय अधिकारियों को ज्ञापन सौंपे गए। 7 सितंबर को मांग-पत्र देने के बाद 21 सितंबर, 5 अक्टूबर और 29 अक्टूबर को विभागीय स्तर पर वार्ता हुई। इसके बावजूद वेतन भुगतान की व्यवस्था पर कोई ठोस निर्णय नहीं हो सका। कर्मचारियों का आरोप है कि हर बार आश्वासन देकर आंदोलन समाप्त करने को कहा गया, लेकिन मांगें पूरी नहीं हुईं। कर्मचारियों ने सहकारी विभाग में वेतन भुगतान की व्यवस्था पर भेदभाव का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार हमें बंधुआ बनाकर रखना चाहती है। कर्मचारियों ने सहकारी विभाग में वेतन भुगतान की व्यवस्था पर भेदभाव का आरोप लगाया है।

ईडब्ल्यूएस की शर्तें हटाने और मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की भी मांग

राष्ट्रीय पेशवा बाजीराव महासंघ ने निकाली पदयात्रा

मांग

- पंचायत चुनाव से लेकर आरक्षण वाले सभी क्षेत्रों में मांगा 10 प्रतिशत कोटा
- एससी-एसटी कानून के दुरुपयोग पर रोक लगाने की मांग
- राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व भी पदयात्रा में शामिल

आरक्षण में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी से लेकर सवर्ण आयोग तक

ईडब्ल्यूएस की आयु और मकान संबंधी सीमाएं हटाने पर जोर

ज्ञापन में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के आरक्षण की प्रक्रिया सरल बनाने की मांग की गई। महासंघ ने इसके लिए आयु और मकान से जुड़ी निर्धारित सीमाएं हटाने की बात कही। संगठन का तर्क है कि इन शर्तों में बदलाव से पात्र लोगों को आरक्षण का लाभ लेने में आसानी होगी।

महासंघ ने पंचायत चुनावों में सवर्णों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग की। संगठन का कहना है कि जहां भी आरक्षण की व्यवस्था लागू है, वहां सवर्णों को भी 10 प्रतिशत हिस्सेदारी दी जाए। इसके साथ ही सवर्ण आयोग के गठन की मांग उठाई गई।

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। आरक्षण व्यवस्था में सवर्णों की हिस्सेदारी, अलग आयोग का गठन और ईडब्ल्यूएस की शर्तों में बदलाव समेत कई मांगों को लेकर राष्ट्रीय पेशवा बाजीराव महासंघ ने पदयात्रा निकाली। जिला अध्यक्ष रामसिंह के नेतृत्व में निकली पदयात्रा में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। इसके बाद संगठन की ओर से विभिन्न मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। महासंघ ने अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण कानून के दुरुपयोग को रोकने के लिए मजबूत कानूनी व्यवस्था बनाने की मांग भी रखी। इसके अलावा मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने और यूजीसी कानून को तत्काल निरस्त करने की मांग की गई। कार्यक्रम में महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुलाब सिंह सोनू, प्रदेश अध्यक्ष राणा प्रताप सिंह और महासचिव भुवनेश्वर प्रताप सिंह शामिल रहे। इनके अलावा दिनेश प्रताप सिंह, मंदीप सिंह, रघुपति सहाय श्रीवास्तव, राम प्रसाद सिंह, अंशुमान सिंह तोमर, दीपक तिवारी, भूपेंद्र प्रताप सिंह, अरविंद सिंह, विमल सिंह, अनुराग सिंह, शुभम उपाध्याय, चंदन पांडेय, तीर्थराज पांडेय, सौरभ सिंह, सर्वेश पांडेय, अनुराग कौशिक और रामसुदिष्ट श्रीवास्तव समेत सैकड़ों कार्यकर्ता व समर्थक मौजूद रहे।

संगठन विस्तार के लिए विहिप ने तैयार की आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा

जिला पंचायत सभागार में हुई बैठक, हित चिंतक अभियान, सत्संग विस्तार और अशोक सिंघल जन्मशताब्दी कार्यक्रमों पर हुई चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। विश्व हिंदू परिषद की संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों को लेकर जिला पंचायत सभागार में बैठक हुई। इसमें क्षेत्र सत्संग प्रमुख दिवाकर सहित प्रांत, विभाग, जिला और प्रखंड स्तर के दायित्ववान कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक में संगठन के कामकाज की समीक्षा के साथ आगामी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने पर चर्चा की गई।

बैठक में संगठन ऐप प्रशिक्षण, हित चिंतक अभियान, अल्पकालिक विस्तारक योजना और धर्मरक्षा निधि से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। इसके साथ सत्संग विस्तार, संत संपर्क सूची तैयार करने, संस्कार परीक्षा और प्रखंड स्तर की बैठकों को लेकर भी योजना बनाई गई। चुनौतीपूर्ण स्थानों पर संगठन के कार्यों का विस्तार करने पर जोर दिया गया। बैठक में अशोक सिंघल की जन्मशताब्दी के अवसर पर होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तैयार की गई। विश्व परिदृश्य और वर्तमान चुनौतियों पर चर्चा करते हुए संगठन की भूमिका और आगामी गतिविधियों पर विचार रखा गया। कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय बनाए रखने और तय योजनाओं के अनुसार काम करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में जिलाध्यक्ष हृदय मणि मिश्र, जिला संगठन मंत्री अभिषेक, जिला मंत्री विकास मौर्य, जिला सह मंत्री प्रदीप पांडेय और प्रांत सत्संग प्रमुख श्याम बाबू गुप्ता सहित जिला एवं प्रखंड स्तर के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फास्ट न्यूज

पीईटी देने निकले प्रत्युष की मौत से बीएसए कार्यालय में शोक

अंबेडकरनगर। पीईटी की परीक्षा देने रायबरेली जा रहे सड़क हादसे में जान गंवाने वाले बीएसए कार्यालय के कनिष्ठ लिपिक प्रत्युष वर्मा को सोमवार को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यालय में कर्मचारियों ने मौन रखकर दिवंगत साथी को याद किया। उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। हादसे में एक सहकर्मी को खोने से कार्यालय के कर्मचारियों में शोक रहा।

नो-एंट्री और ब्लैक स्पॉट पर पहुंची यातायात पुलिस

अंबेडकरनगर। यातायात माह के दूसरे दिन सोमवार को यातायात पुलिस और एआरटीओ की संयुक्त टीम ने नगर क्षेत्र और हाईवे पर जागरूकता एवं प्रवर्तन अभियान चलाया। प्रभारी निरीक्षक यातायात जय बहादुर यादव और एआरटीओ सत्येंद्र कुमार यादव के नेतृत्व में टीम ने वाहन चालकों को नियमों की जानकारी दी और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। अभियान के दौरान नो-एंट्री और दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट वाले स्थानों के अलावा अस्पतालों, बाजारों, बस स्टैंड, टेंपो स्टैंड, सार्वजनिक स्थलों और होटल-ढाबों पर लोगों को जागरूक किया गया।

फरियादियों की शिकायतें सुन एसपी ने दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

अंबेडकरनगर। आम लोगों की शिकायतों के निस्तारण को लेकर पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने सोमवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई की। इस दौरान उन्होंने फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। एसपी ने शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

दीपावली पर बिजली गुल हुई तो 10 मिनट में होगी बहाल

42 बिजली उपकेंद्रों पर चार सदस्यीय विशेष टीमें तैनात

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। दीपावली पर जिले में बिजली आपूर्ति निर्बाध रखने के लिए मध्यांचल विद्युत वितरण निगम ने विशेष तैयारी की है। बिजली आपूर्ति बाधित होने पर उसे 10 मिनट में बहाल करने का लक्ष्य रखा गया है। अकबरपुर शहर समेत जिले के 42 बिजली उपकेंद्रों पर चार-चार सदस्यीय विशेष टीमें बनाई गई हैं। शहर में ट्रांसफार्मर खराब होने पर तत्काल आपूर्ति बहाल करने के लिए ट्रॉली ट्रांसफार्मर भी तैयार रखे जाएंगे।

अकबरपुर, आलापुर, जलालपुर और टांडा डिवीजन के सब डिवीजन कार्यालयों में कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। यहां शिकायतों की निगरानी और उनके निस्तारण के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। दिन और रात के लिए अलग-अलग टीमें रहेंगी। कंट्रोल रूम में 24 घंटे निगरानी की व्यवस्था की गई है। विभाग ने ट्रांसफार्मर, तार, इंसुलेटर और केबल का पर्याप्त स्टॉक रखने की व्यवस्था की है। इससे खराबी आने पर मरम्मत और उपकरण बदलने में देरी न हो। अधीक्षण अभियंता ने अधिशासी अभियंताओं और एसडीओ के साथ बैठक कर आपूर्ति व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए हैं। लापरवाही मिलने पर संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अधीक्षण अभियंता रजनीश श्रीवास्तव ने बताया कि चारों डिवीजनों में कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। 11 नोडल अधिकारियों की तैनाती भी कर दी गई है।

कचहरी में अब डाक के काम के लिए नहीं लगानी होगी दौड़ उप डाकघर शुरू

जनपद न्यायालय परिसर में जनपद न्यायाधीश चंद्रोदय कुमार ने किया लोकार्पण

अधिवक्ताओं और वादकारियों को परिसर में ही मिलेंगी डाक संबंधी सुविधाएं

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जनपद न्यायालय आने वाले अधिवक्ताओं, वादकारियों और आम लोगों को अब डाक संबंधी कामकाज के लिए परिसर से बाहर नहीं जाना पड़ेगा। सोमवार को न्यायालय परिसर में नवनिर्मित उप डाकघर का लोकार्पण जनपद न्यायाधीश चंद्रोदय कुमार ने किया। उप डाकघर की शुरुआत से न्यायालय परिसर में एक और जरूरी जनसुविधा उपलब्ध हो गई है।

अब तक डाक संबंधी कार्यों के लिए अधिवक्ताओं और वादकारियों को न्यायालय परिसर से बाहर स्थित डाकघर जाना पड़ता था। उप डाकघर शुरू होने से उन्हें परिसर में ही डाक सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। इससे न्यायालय में नियमित आने वाले लोगों के साथ ही मुकदमों के सिलसिले में पहुंचने वाले वादकारियों को भी सहूलियत होगी। खासकर उन लोगों के लिए यह सुविधा उपयोगी होगी, जिन्हें न्यायालय से जुड़े काम के दौरान डाक संबंधी कार्य भी निपटाने होते हैं। लोकार्पण के अवसर पर बार एसोसिएशन अध्यक्ष सुनील यादव, सचिव अनिल वर्मा, सह सचिव पूजा वर्मा, पूजा यादव, प्रशांत यादव, अमित यादव, जोगिंदर सिंह, सुरेंद्रनाथ यादव, सीपी सिंह, कपिल देव वर्मा, पवन यादव, संतोष विश्वकर्मा, राम चंदर राजभर, राम सागर यादव, अनिल सिंह, बाबूलाल वर्मा, राजीव सिंह और मानस पटेल सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों और अधिवक्ताओं ने न्यायालय परिसर में उप डाकघर की स्थापना को उपयोगी बताते हुए प्रसन्नता जताई। उनका कहना था कि परिसर में डाकघर की सुविधा उपलब्ध होने से अधिवक्ताओं और वादकारियों को रोजमर्रा के कामकाज में आसानी होगी।

बच्चों पर अपनी इच्छाओं का बोझ न थोपें अभिभावक

डालिम्स स्कूल के वार्षिकोत्सव में बोले डॉ. मुकेश यादव

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। बच्चों के भविष्य को लेकर अभिभावकों को अपनी इच्छाएं और अपेक्षाएं उन पर थोपने से बचना चाहिए। हर बच्चे की प्रतिभा, रुचि और क्षमता अलग होती है। इसलिए उसे अपनी पसंद के क्षेत्र में लक्ष्य तय करने और आगे बढ़ने का अवसर देना जरूरी है। यह बात डालिम्स स्कूल, एनटीपीसी टांडा के वार्षिक समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए डॉ. मुकेश यादव ने कही।

समारोह में विद्यालय परिवार की ओर से डॉ. मुकेश यादव को सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि कई बार अभिभावक बच्चों के लिए अपनी पसंद के लक्ष्य तय कर देते हैं। इससे बच्चों पर अनावश्यक दबाव पड़ सकता है। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों की रुचि और क्षमता को समझें। उनकी पसंद का सम्मान करते हुए भविष्य की राह चुनने में सहयोग करें। डॉ. यादव ने कहा कि बच्चों की प्रतिभा को पहचानना और उसे निखारने का अवसर देना अभिभावकों की अहम जिम्मेदारी है। उन्हें अपनी पसंद का लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रोत्साहन और सहयोग मिलना चाहिए। अनावश्यक अपेक्षाओं का दबाव बनाने के बजाय उनके आत्मविश्वास को मजबूत करना जरूरी है।

कलेक्ट्रेट के पास सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने दिया धरना

ऑनलाइन के साथ पुरानी व्यवस्था जारी रखने की मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिल जमा करने की ऑफलाइन व्यवस्था बंद किए जाने के विरोध में सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन ने सोमवार को कलेक्ट्रेट के निकट डॉ. आंबेडकर प्रतिमा स्थल पर धरना-प्रदर्शन किया। पेंशनरों ने ऑनलाइन व्यवस्था के साथ ऑफलाइन माध्यम से भी बिल जमा करने का विकल्प जारी रखने की मांग उठाई। इस संबंध में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपकर समस्या के समाधान की अपील की गई। ज्ञापन में कहा गया कि चिकित्सा विभाग ने एक अक्तूबर से ऑफलाइन चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिल लेना बंद कर दिया है। इससे बुजुर्ग पेंशनरों को बिल जमा करने में परेशानी हो रही है। संगठन का कहना है कि अधिकांश पेंशनरों के पास ईएचआईएस कोड नहीं है। वहीं, वर्ष 2010 से पहले सेवानिवृत्त कर्मचारियों का पेंशन संबंधी डाटा भी ऑनलाइन उपलब्ध नहीं है। ऐसे में वे पोर्टल पर चिकित्सा प्रतिपूर्ति के दावे की प्रक्रिया पूरी नहीं कर पा रहे हैं। संगठन के मुताबिक, ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाने के कारण कई पेंशनरों के चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिल जमा नहीं हो पा रहे हैं। इससे उनके भुगतान अटक गए हैं। इलाज पर खर्च की गई धनराशि की प्रतिपूर्ति नहीं मिलने से उन्हें आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। धरने पर बैठे पेंशनरों ने मांग की कि ऑनलाइन व्यवस्था के साथ ऑफलाइन बिल जमा करने का विकल्प भी उपलब्ध कराया जाए, ताकि तकनीकी और अभिलेख संबंधी दिक्कतों के कारण कोई पेंशनर सुविधा से वंचित न रहे।

संबोधन : सोनिया जी के दिल को शांति मिल जाती, असली संसद में कभी नहीं बनेंगे

राहुल ने नकली संसद लगाई उसके पीएम बन जाते : शाह

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। अमित शाह सोमवार को हैदराबाद में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च में शामिल हुए। यहां उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने दिल्ली में नकली संसद लगाई। वे उसके ही पीएम बन जाते तो सोनिया जी के दिल को शांति मिल जाती। असली संसद में वे कभी पीएम नहीं बनेंगे। विपक्ष के SIR विरोध के जवाब में भाजपा देशभर में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान चला रही है। इसका पहला चरण 22 अक्टूबर से 5 नवंबर 2026 तक चलेगा। राहुल जी कहते हैं कि हम (भाजपा) SIR से जीते। जरा बताओ क्या 2014 में SIR हुआ था। 2019 में जीते, तब भी SIR नहीं हुआ था। 2024 में भी जीते, उसके बाद महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली, बिहार, बंगाल, असम जीते। अब तेलंगाना भी जीतने वाले हैं। राहुल जी, दो दिन पहले आपने मॉक पार्लियामेंट की थी, अगर मुझसे पूछा होता तो मैं कहता कि ये नकली संसद में आप एक बार पीएम बन जाओ, क्योंकि असली संसद में वे कभी बन नहीं पाएंगे, ताकि सोनिया जी के दिल को शांति मिल जाए। राहुल जी चुनाव होते ही आप विदेश चले जाते हैं। देश में पसीना बहाना पड़ता है। हाथ में संविधान रखते हैं, लेकिन उसका सम्मान नहीं करते। EVM, SIR, घुसपैठिए के मुद्दे पर हम संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए तैयार हैं, चर्चा के लिए आ जाइए, लेकिन वे नहीं आएंगे। वे अराजकता से खुद को सुर्खियों में रखते हैं।

जब भी चुनाव जीतते हैं तो कहते हैं EVM के कारण जीते। राहुल जी, अगर EVM खराब है तो रेवंत रेड्डी कैसे सीएम बन गए, केरल में आपकी सरकार कैसे आई, हिमाचल में कैसे आई।

> राहुल हर चुनाव में ईवीएम को दोषी ठहराते हैं। अगर ईवीएम खराब है तो तेलंगाना, केरल, हिमाचल में आपने सरकार कैसे बनाई। ईवीएम बुरा है तो शपथ नहीं लेते, जब जीतते हो तो लोगों ने जिताया, हारते हो तो ईवीएम ने हराया। एक कहावत है कि नाच न आए आंगन टेढ़ा।
>
> - अमित शाह, गृहमंत्री

घुसपैठिए कांग्रेस के वोट बैंक, इन्हें निकालकर ही दम लेंगे

कांग्रेस पार्टी SIR को रोककर देश की मतदाता सूची से बांग्लादेशी घुसपैठियों को बचाना चाहती है। ये घुसपैठिए उनके वोट बैंक हैं। राहुल जी जितना जोर लगाना है लगा लो, भाजपा एक-एक घुसपैठिए को देश और वोटर्स लिस्ट से बाहर निकालकर दम लेगी। 3 करोड़ वोट बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं।

फ्लाइट टिकट 700% बढ़ाने के दावे वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बढ़ते हवाई किराए को लेकर जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। याचिकाकर्ता के 700% तक किराया बढ़ने के दावे पर कोर्ट ने कहा, 'आप हवाई यात्रा मत करिए। आगे बढ़िए।'

जस्टिस जे. विक्रम नाथ की बेंच के सामने वकील ने दलील दी कि विमान का किराया 700% तक बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि हवाई यात्रा जरूरी सेवा है और किराए में इतनी ज्यादा बढ़ोतरी संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है। हालांकि, कोर्ट ने इन दलीलों पर सुनवाई नहीं की और याचिका खारिज कर दी। भारत में हर साल करीब 24 करोड़ हवाई यात्राएं होती हैं। नागर विमानन मंत्रालय और DGCA के 2024-25 के आंकड़ों के मुताबिक, इनमें 16.55 करोड़ घरेलू और 7.39 करोड़ अंतरराष्ट्रीय यात्री यात्राएं शामिल हैं।

उत्साहवर्धन : राबीबहाउद्दीनपुर में महिला का झुमका, नकदी और साड़ी चोरी करने का मामला

झाड़-फूंक के बहाने महिला को झांसे में लेने वाले आरोपी की गिरफ्तारी पर सात पुलिसकर्मी सम्मानित

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। झाड़-फूंक के बहाने महिला को झांसे में लेकर उसका जेवर, नकदी और साड़ी चोरी करने के मामले में आरोपी की गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम को सम्मानित किया गया। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने कार्रवाई में शामिल सात पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर उत्साहवर्धन किया। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के राबीबहाउद्दीनपुर गांव में हुई इस घटना में पुलिस ने आरोपी नदीम अहमद उर्फ बाबा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से नकदी, साड़ी और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद की थी।

मामले में महिला को झाड़-फूंक के बहाने झांसे में लेकर उसका कान का झुमका, एक हजार रुपये नकद और साड़ी चोरी कर ली गई थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी की तलाश शुरू की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने नदीम अहमद उर्फ बाबा को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी के कब्जे से 5,139 रुपये नकद, एक साड़ी और घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद हुई। इस कार्रवाई के बाद पुलिस अधीक्षक ने गिरफ्तारी करने वाली टीम को सम्मानित करने का निर्णय लिया।

उपनिरीक्षक से कांस्टेबल तक सात पुलिसकर्मियों को मिला सम्मान

पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने उपनिरीक्षक रणविजय सिंह, शिवम सिंह और इसहाक खान के साथ कांस्टेबल रामनरेश भारद्वाज, धनंजय यादव, अभिषेक तिवारी और तन्मय तिवारी को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने टीम के कार्य की सराहना की और अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

जिले में यूरिया का लक्ष्य से करीब तीन गुना भंडार, डीएपी की उपलब्धता लक्ष्य से कम

रबी सीजन में उर्वरक की कमी नहीं होने देने का कृषि विभाग का दावा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। रबी सीजन में किसानों को उर्वरक की उपलब्धता बनाए रखने के लिए कृषि विभाग ने जिले में पर्याप्त भंडार होने की जानकारी दी है। नवंबर तक के लक्ष्य के मुकाबले यूरिया की उपलब्धता करीब तीन गुना रही है। हालांकि डीएपी का भंडार निर्धारित लक्ष्य से थोड़ा कम है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि उर्वरक प्राप्त करने के लिए किसानों को फार्मर रजिस्ट्री कराना अनिवार्य होगा।

जिला कृषि अधिकारी अरविंद चौधरी ने बताया कि नवंबर तक जिले में यूरिया का लक्ष्य 10,262 मीट्रिक टन था, जबकि इसके सापेक्ष 28,731 मीट्रिक टन उपलब्ध हुआ। डीएपी का लक्ष्य 9,246 मीट्रिक टन था, जिसके मुकाबले 9,157 मीट्रिक टन की उपलब्धता हुई। इसी तरह एनपीके का लक्ष्य 4,187 मीट्रिक टन था, जबकि उपलब्धता 4,829 मीट्रिक टन रही। एसएसपी का लक्ष्य 8,228 मीट्रिक टन के सापेक्ष 13,122 मीट्रिक टन और एमओपी का लक्ष्य 416 मीट्रिक टन के मुकाबले 308 मीट्रिक टन उपलब्ध हुआ। वितरण के बाद सहकारिता और निजी क्षेत्र को मिलाकर जिले में 27,849 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है। इसके अलावा 5,652 मीट्रिक टन डीएपी, 5,040 मीट्रिक टन एनपीके, 12,568 मीट्रिक टन एसएसपी और 337 मीट्रिक टन एमओपी का भंडार है। कृषि विभाग के अनुसार किसानों को जरूरत के मुताबिक उर्वरक उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि जिन किसानों की फार्मर रजिस्ट्री अभी तक नहीं हुई है, वे अपनी तहसील में जाकर खतौनी का अंश निर्धारण कराएं और रजिस्ट्री की प्रक्रिया पूरी करें।

श्रमिकों को रोजगार से जोड़ने के लिए डिजिटल लेबर चौक ऐप की जानकारी दी

कुर्चा में श्रम विभाग ने लगाया जागरूकता एवं पंजीकरण शिविर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। श्रमिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने और रोजगार के अवसरों से जोड़ने के लिए श्रम विभाग की ओर से सोमवार को अकबरपुर के कुर्चा में जागरूकता एवं पंजीकरण शिविर लगाया गया। इसमें श्रमिकों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ मौके पर ही पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराई गई। शिविर में यूपी डिजिटल लेबर चौक ऐप के इस्तेमाल पर विशेष जोर रहा। शिविर में उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड (बीओसी-डब्ल्यू) की ओर से संचालित योजनाओं के बारे में श्रमिकों को बताया गया। नए श्रमिकों का मौके पर ही पंजीकरण किया गया। वहीं, पहले से पंजीकृत श्रमिकों को नवीनीकरण की प्रक्रिया समझाई गई, ताकि वे अपनी पंजीकरण संबंधी औपचारिकताएं पूरी कर सकें। श्रमिकों को ई-श्रम पोर्टल और प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना की पात्रता, लाभ और पंजीकरण प्रक्रिया की जानकारी दी गई। पात्र श्रमिकों को योजना से जुड़ने के लिए जरूरी जानकारी उपलब्ध कराई गई। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों के ई-श्रम कार्ड भी बनाए गए। शिविर में यूपी डिजिटल लेबर चौक ऐप के जरिए श्रमिकों को डिजिटल सुविधाओं से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया गया। श्रमिकों को बताया गया कि ऐप के माध्यम से वे अपनी प्रोफाइल तैयार कर रोजगार के अवसरों से जुड़ सकते हैं।

सम्पादकीय

वोट चोरी का बहाना

कांग्रेस ने सहयोगी दलों के सहयोग से दिल्ली के रामलीला मैदान में तथाकथित वोट चोरी के बहाने भीड़ तो जुटा ली, लेकिन यह भीड़ दस लाख के दावे के मुकाबले कहीं अधिक कम रही। इस रैली में राहुल गांधी समेत अन्य विपक्षी नेताओं ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआइआर को लेकर वही सब कहा, जो पिछले लंबे समय तक कहते चले आ रहे हैं। इसमें संदेह है कि यह रैली विपक्ष के इस नैरेटिव को विश्वसनीयता प्रदान कर सकेगी कि एसआइआर के जरिये विपक्षी दलों के समर्थकों के नाम जानबूझकर वोटर लिस्ट से हटाए जा रहे हैं।

आश्चर्य नहीं कि वोट चोरी का शोर मचाकर जो माहौल बनाया जा रहा है, उसका वही हश्र हो, जो इस दुष्प्रचार का हुआ था कि ईवीएम के कारण विपक्ष को हार का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस को वोट चोरी का अपना अभियान तेज करने का जरिया कुछ दिन पहले की उस खबर से मिला, जिससे यह संदेश देने की कोशिश की गई थी कि एसआइआर के मामले में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार दोनों चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। हालांकि चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में शपथपत्र देकर स्पष्ट रूप से कहा कि एसआइआर पर सभी फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की सहमति से हुए। इसके बाद भी विपक्षी दल अपने इस हठ पर कायम हैं कि वोट चोरी हो रही है। वे इस तथ्य पर भी ध्यान देने के लिए तैयार नहीं कि जिन 13 करोड़ लोगों के नाम वोटर लिस्ट हटाए गए हैं, वे उनके हैं जो अन्यत्र जा बसे हैं या जिनकी मृत्यु हो गई है अथवा जिनके नाम दो-तीन जगह दर्ज थे। सच यह भी है कि 13 करोड़ लोगों का नाम हटाने का फैसला अंतिम नहीं है और वैध मतदाता अपना नाम वोटर लिस्ट में अभी भी शामिल करा सकते हैं।

विपक्ष इस सच से भी मुंह मोड़ रहा है कि एसआइआर की सुनवाई कर रहे सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रक्रिया में सुधार के कई सुझाव देने के साथ लोगों को अपना नाम वोटर लिस्ट में शामिल कराने के लिए अतिरिक्त सुविधा एवं समय प्रदान करने के भी निर्देश दिए हैं। इस सबके बावजूद विपक्षी दल वोट चोरी का राग अलापने में लगे हुए हैं।

विडंबना यह है कि सुप्रीम कोर्ट में एसआइआर के खिलाफ याचिका दायर करने वाले विपक्षी नेता कथित वोट चोरी के खिलाफ कोई प्रमाण कोर्ट के समक्ष पेश करने के बजाय दिखावटी संसद बुलाकर मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ जन महाभियोग पारित करने जैसे स्वांग कर अपना ही उपहास ही उड़ा रहे हैं। एक विडंबना यह भी है कि वोट चोरी का आरोप लगा रहे कई विपक्षी दल और खासकर कांग्रेस बूथ लेवल अफसरों की ओर से होने वाली त्रुटियों को रोकने के लिए अपने कार्यकर्ताओं को बूथ लेवल एजेंट के तौर पर नियुक्त करने को लेकर उदासीन है।

> वोट चोरी और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर को लेकर विपक्ष ने गंभीर सवाल उठाए हैं। चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष का अधिकार ही नहीं, उसका दायित्व भी है।

विपक्षी हुंकार शक्ति-प्रदर्शन नहीं जनकल्याण का कारण बने

लोकतंत्र केवल सत्ता परिवर्तन की व्यवस्था नहीं, बल्कि जनआकांक्षाओं, नागरिक अधिकारों, जवाबदेही और सार्थक राजनीतिक संवाद की जीवंत प्रणाली है। इसकी मजबूती केवल सत्तारूढ़ दल की कार्यक्षमता से नहीं, बल्कि विपक्ष की जिम्मेदारी, उसकी वैचारिक परिपक्वता और जनहित के प्रति उसकी प्रतिबद्धता से भी निर्धारित होती है। लेकिन जब विपक्ष की राजनीति का केंद्र जनता के बुनियादी सवालों के बजाय सत्ता का विरोध, नेतृत्व पर व्यक्तिगत हमले और आरोपों की पुनरावृत्ति बन जाए, तब लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती को लेकर प्रश्न खड़े होना स्वाभाविक है। दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस के नेतृत्व में लगभग बीस विपक्षी दलों का जुटना और वोट चोरी के मुद्दे पर हुंकार भरना इसी संदर्भ में राजनीतिक समीक्षा की अपेक्षा करता है। सवाल यह नहीं कि विपक्ष को रैली करने का अधिकार है या नहीं, बल्कि यह है कि ऐसी रैलियों से लोकतंत्र और आम जनता को आखिर क्या हासिल हो रहा है?

रामलीला मैदान ऐतिहासिक रूप से जनआंदोलनों, राजनीतिक चेतना और लोकतांत्रिक प्रतिरोध का साक्षी रहा है। यहां उमड़ने वाली भीड़ को केवल राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन के रूप में नहीं देखा जा सकता, बल्कि उससे जुड़े संदेश और उद्देश्य का मूल्यांकन भी आवश्यक है। कांग्रेस ने सहयोगी दलों को एक मंच पर लाकर अपनी राजनीतिक एकजुटता प्रदर्शित करने का प्रयास किया। दस लाख लोगों के जुटने का दावा किया गया था, लेकिन उपलब्ध विवरणों के अनुसार वास्तविक उपस्थिति इस दावे से काफी कम रही। फिर भी इस आयोजन का महत्त्व केवल भीड़ के आकार से नहीं, बल्कि उसके राजनीतिक संदेश से तय होना चाहिए। दुर्भाग्य यह है कि इस रैली में भी विपक्ष की ओर से वही पुराने आरोप, वही राजनीतिक भाषण और वही सत्ता विरोधी तेवर अधिक दिखाई दिए, जिनकी पुनरावृत्ति लंबे समय से होती रही है। प्रत्येक वैध मतदाता का नाम मतदाता सूची में सुरक्षित रहना चाहिए और किसी भी पात्र नागरिक को मतदान के अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। लेकिन लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए आरोपों के साथ प्रमाण और तथ्यों की विश्वसनीयता भी आवश्यक है। जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने का प्रश्न उठाया जा रहा है, उनमें मृतक, स्थायी रूप से अन्यत्र स्थानांतरित हो चुके और एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत मतदाता भी शामिल बताए गए हैं। निर्वाचन आयोग ने भी एसआईआर से जुड़े निर्णयों को तीनों चुनाव आयुक्तों की सहमति से लिया गया बताया है। इस प्रक्रिया को लेकर न्यायालय में विचार और निर्देश भी सामने आए हैं। इसलिए इस पूरे विषय पर अंतिम निष्कर्ष तथ्यों, प्रमाणों और न्यायिक परीक्षण के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए। विपक्ष का दायित्व है कि वह चुनाव आयोग से पारदर्शिता की मांग करे, मतदाता सूची की त्रुटियों को उजागर करे और पात्र मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस प्रयास करे। लेकिन केवल वोट चोरी का नारा बुलंद करने से लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास मजबूत नहीं होगा। यदि विपक्ष वास्तव में मतदाता अधिकारों को लेकर गंभीर है तो उसे प्रत्येक मतदान केंद्र पर अपने बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने, मतदाता सूची की जांच करने, वास्तविक विसंगतियों के प्रमाण जुटाने और प्रभावित नागरिकों को न्याय दिलाने की व्यवस्था मजबूत करनी चाहिए। लोकतंत्र की रक्षा नारों से कम और धरातल पर किए गए कार्यों से अधिक होती है। इस रैली का एक दूसरा पहलू भी है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की राजनीतिक एकजुटता का आधार क्या है? क्या यह एकजुटता किसी साझा आर्थिक दृष्टि, रोजगार नीति, कृषि सुधार, शिक्षा की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सेवाओं, महंगाई, भ्रष्टाचार, महिला सुरक्षा, युवाओं के भविष्य और सामाजिक न्याय के व्यापक कार्यक्रम पर आधारित है? अथवा इसका मुख्य उद्देश्य नरेंद्र मोदी सरकार का विरोध करना और सत्ता के विरुद्ध राजनीतिक वातावरण तैयार करना है? यदि किसी गठबंधन की एकता का सबसे बड़ा आधार किसी एक नेता या सरकार का विरोध हो, तो उसकी वैचारिक स्थिरता और भविष्य की दिशा पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। सत्ता विरोध अपने आप में कोई राजनीतिक दर्शन नहीं हो सकता। लोकतंत्र में विपक्ष

केवल आलोचक नहीं होता, वह वैकल्पिक नीतियों का निर्माता भी होता है। संसद में विधेयकों पर गंभीर चर्चा, सरकार की नीतियों का तथ्यात्मक परीक्षण, आर्थिक और सामाजिक समस्याओं पर वैकल्पिक सुझाव तथा जनता की आवाज को संस्थागत मंचों तक पहुंचाना उसकी बुनियादी जिम्मेदारी है। लेकिन जब राजनीतिक विमर्श आरोप-प्रत्यारोप, व्यक्तिगत कटाक्ष और विरोध प्रदर्शनों तक सीमित होने लगता है, तब जनता के वास्तविक मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। विपक्ष को यह समझना होगा कि प्रधानमंत्री की आलोचना करना और प्रधानमंत्री के विकल्प के रूप में अपनी योग्यता प्रमाणित करना दो अलग-अलग बातें हैं। पहली बात राजनीतिक विरोध है, जबकि दूसरी लोकतांत्रिक नेतृत्व की कसौटी है। आज भारत अनेक बुनियादी चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण रोजगार, किसानों की आय और कृषि की उत्पादकता, छोटे व्यापारियों की आर्थिक सुरक्षा, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, पर्यावरण संरक्षण, शहरी अव्यवस्था, बढ़ती आर्थिक विषमता और महिलाओं की सुरक्षा जैसे प्रश्न किसी एक दल के नहीं, पूरे राष्ट्र के प्रश्न हैं। क्या रामलीला मैदान की हुंकार इन विषयों पर कोई ठोस वैकल्पिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सकी? क्या विपक्ष ने यह बताया कि वह इन समस्याओं के समाधान के लिए कौन-सी नीतियां अपनाएगा? क्या उसने देश के सामने कोई साझा विकास दृष्टि रखी? इन सवालों का उत्तर ही इस रैली की राजनीतिक सार्थकता का वास्तविक मूल्यांकन करेगा। यह भी समझना आवश्यक है कि लोकतंत्र में भीड़ जुटाना और जनमत अर्जित करना अलग-अलग बातें हैं। भीड़ किसी क्षणिक राजनीतिक उत्तेजना, संगठनात्मक शक्ति अथवा विरोध की भावना से जुट सकती है, लेकिन स्थायी जनविश्वास विचारों, नीतियों, आचरण और परिणामों से अर्जित होता है। राजनीतिक दलों को यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि विशाल मंच, बड़े भाषण और एकजुटता के प्रदर्शन से जनता का विश्वास स्वतः प्राप्त हो जाएगा। आज का मतदाता पहले की तुलना में अधिक जागरूक है।

ललित गर्ग

जन महाभियोग ...

डॉ. घनश्याम बादल

जन महाभियोग और लोकतंत्र का कटघरा

लोकतंत्र में चुनाव केवल सरकार बनाने की कवायद नहीं, जनता के मतादेश को सत्ता में बदलने की संवैधानिक व्यवस्था हैं। इस व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है निर्वाचन आयोग । यदि इसी माध्यम की विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगें तो लोकतंत्र में बेचैनी आना भी तय है। रामलीला मैदान में एक नवंबर को आयोजित विपक्ष की जन महाभियोग रैली बेचैनी की राजनीतिक अभिव्यक्ति है। सवाल यह है कि विपक्ष को सड़क पर उतरकर जन महाभियोग जैसा नया राजनीतिक हथियार क्यों उठाना पड़ा? क्या संसद में उसकी आवाज नहीं सुनी जा रही थी या फिर उसे लगने लगा है कि चुनावी मैदान में मुकाबला करने से पहले चुनाव कराने वाली संस्था को ही कठघरे में खड़ा करना जरूरी हो गया है?

दरअसल, इस टकराव की जड़ में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण है। विपक्ष का आरोप है कि इस प्रक्रिया की आड़ में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं। उसका दावा है कि इससे खास वर्गों और विपक्ष समर्थक मतदाताओं के मतदान अधिकार प्रभावित हो रहे हैं जिसे वह वोट चोरी मानता है । निर्वाचन आयोग की कार्यशैली, शिकायतों के निस्तारण और चुनावी पारदर्शिता को लेकर भी विपक्ष लगातार आक्रामक हो हो रहा है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की नज़र में आयोग की निष्पक्षता पर संदेह अब इतना गहरा गया है कि सामान्य राजनीतिक विरोध से बात नहीं बनी और ज्ञानेश कुमार के विरुद्ध जन महाभियोग का विपक्ष ने संयुक्त रूप से उठाया। यहां समझना जरूरी है। जन महाभियोग कोई संवैधानिक प्रक्रिया नहीं है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त को हटाने की एक निर्धारित कानूनी व्यवस्था है। विपक्ष की यह पहल मूलतः राजनीतिक और प्रतीकात्मक है, जिसका उद्देश्य जनता के बीच आयोग के विरुद्ध अविश्वास के आरोपों को सार्वजनिक विमर्श का विषय बनाना है। रामलीला मैदान में कांग्रेस के साथ समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल, वामपंथी दलों तथा अन्य विपक्षी संगठनों के नेताओं की मौजूदगी ने इंडिया गठबंधन की सामूहिक ताकत दिखाने का अवसर बना दिया। विपक्ष के नेताओं ने इसे व्यापक जनसमर्थन वाला आंदोलन बताया। आयोजकों की ओर से दस लाख तक बताई जबकि भाजपा ने इसे दस पंद्रह हजार लोगों का फ्लॉप शो बताया। वास्तविकता यह है कि लोग तो काफी पहुंचे लेकिन दस लाख की उपस्थिति का दवा भी सही नहीं है। वैसे राजनीतिक रैलियों में भीड़ का आकार अक्सर आयोजकों के उत्साह और विरोधियों की कल्पना के बीच झूलता रहता है।

भाषणों में मुख्यतः तीन बातें उभर कर आईं वोट की सुरक्षा, निर्वाचन आयोग की जवाबदेही और सरकार की कथित चुनावी मदद। राहुल गांधी ने मतदाता सूची में गड़बड़ियों को लोकतांत्रिक अधिकारों पर चोट बताया। खरगे ने सरकार और निर्वाचन आयोग पर तीखे प्रहार किए। अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में मतदाताओं के नाम हटाए जाने का मुद्दा उठाया, जबकि ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में एस आई आर की प्रक्रिया पर गंभीर आपत्तियां जताईं। तेजस्वी यादव ने इसे लोकतंत्र की निर्णायक लड़ाई का रूप देने की कोशिश की। इन भाषणों में आक्रोश था, आरोप थे और राजनीतिक चेतावनियां भी। लेकिन विपक्ष की आक्रामकता के पर कुछ असहज सवाल भी खड़े होते हैं। क्या हर हटाया गया नाम फर्जीवाड़े का प्रमाण है? क्या हर प्रशासनिक त्रुटि के पीछे राजनीतिक साजिश है? यदि ऐसा है तो उसके प्रमाण कहां हैं? लोकतंत्र में आरोप लगाना आसान है, उन्हें दस्तावेजों और तथ्यों से सिद्ध करना कठिन। विपक्ष को केवल आशंका नहीं, प्रमाणों के साथ सामने आना होगा। दूसरी ओर भाजपा का रवैया भी सवालों में है। पार्टी ने रैली को राजनीतिक नौटंकी और विपक्ष की हताशा बताया। सरकार का तर्क है कि विशेष गहन संशोधन अभियान मतदाता सूची को शुद्ध करने की वैधानिक प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य मृत, दोहरे और अपात्र मतदाताओं के नाम हटाना है। यह तर्क अपनी जगह उचित हो सकता है, लेकिन इससे यह सवाल समाप्त नहीं हो जाता कि प्रक्रिया में किसी वास्तविक मतदाता का नाम गलत ढंग से हट जाए तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? किसी लोकतांत्रिक देश में मतदाता सूची की शुद्धता जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी है कि कोई पात्र नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न हो। ऐसे में निर्वाचन आयोग की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। आयोग कोई सरकारी विभाग नहीं बल्कि स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है। उसकी सबसे बड़ी पूंजी उसका निष्पक्ष दिखाई देना है। निष्पक्ष होना पर्याप्त नहीं, निष्पक्षता का भरोसा पैदा करना भी ज़रूरी है। यदि राजनीतिक दलों के साथ-साथ आम मतदाता भी उसके निर्णयों पर संदेह करने लगे तो यह संस्था की साख के लिए गंभीर चेतावनी है।

पर्यावरण संरक्षण...

अभिषेक सिंह

जल संरक्षण, जनभागीदारी और स्वच्छता के माध्यम से ग्रामीण विकास को नई गति दे रहा है जल जीवन मिशन

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में ग्रामीण परिवारों तक शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ जल संरक्षण, स्वच्छता, पर्यावरण संवर्धन और जनजागरूकता को व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित किया जा रहा है। मिशन के माध्यम से पेयजल सुविधाओं के विस्तार के साथ समुदायों को जल की गुणवत्ता, जल जनित बीमारियों की रोकथाम तथा जल स्रोतों के संरक्षण के प्रति जागरूक बनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इन प्रयासों में ग्राम पंचायतों, स्वयं सहायता समूहों, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, विद्यालयों और स्थानीय समुदायों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। जल महोत्सव-2026 के अंतर्गत 11 मार्च, 2026 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय 'मेगा इवेंट' में उत्तर प्रदेश के अमरोहा, अयोध्या, बांदा, बस्ती, चित्रकूट, गोरखपुर, झांसी, कानपुर देहात, ललितपुर, लखनऊ, महोबा, सहारनपुर, श्रावस्ती एवं सोनभद्र जनपदों के उत्कृष्ट कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जनपद चित्रकूट की रचना देवी को माननीया राष्ट्रपति महोदया तथा श्री देवस्वरूप कुंजबिहारी, अध्यक्ष ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति (VWSC), को माननीय केंद्रीय जल शक्ति मंत्री द्वारा 'C-Exemplary Financial Sustainability through User Charge Collection' श्रेणी में सम्मानित किया गया। यह सम्मान ग्रामीण स्तर पर सामुदायिक सहभागिता और पेयजल योजनाओं की वित्तीय स्थिरता के लिए किए जा रहे प्रयासों को प्रोत्साहित करता है।जल जीवन मिशन के अंतर्गत पेयजल एवं स्वच्छता को पोषण और स्वास्थ्य से जोड़ने पर भी विशेष बल दिया जा रहा है। भारत सरकार के जन आंदोलन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 8वां पोषण पखवाड़ा 9 से 23 अप्रैल, 2026 तक आयोजित किया गया। इस दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों पर साफ-सफाई अभियान, सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता, जल स्रोतों की सफाई एवं गुणवत्ता जांच तथा बच्चों और अभिभावकों को हाथ धोने एवं व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति जागरूक करने जैसी गतिविधियां संचालित की गईं। ग्राम पंचायत स्तर पर पोषण जागरूकता बैठकें, स्वच्छ जल एवं पोषण विषयक रैलियां तथा आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और स्थानीय समुदाय की सहभागिता के माध्यम से बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए स्वच्छ पेयजल के महत्व को रेखांकित किया गया।

पर्यावरण संरक्षण और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए 22 अप्रैल, 2026 को 'विश्व पृथ्वी दिवस' के अवसर पर विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रभात फेरियों, ग्राम सभाओं और विद्यालयों के माध्यम से जल संचयन, जल संरक्षण, जल स्रोतों की सुरक्षा तथा सतत जल प्रबंधन का संदेश दिया गया। हाथ धोने एवं सुरक्षित जल भंडारण का प्रदर्शन करने के साथ ओवरहेड टैंक (OHT) परिसरों और आंगनवाड़ी केंद्रों पर वृक्षारोपण, वर्षा जल संचयन तथा भूजल पुनर्भरण के प्रति जागरूकता बढ़ाई गई।

सहनशीलता

सहनशीलता अर्थ केवल सहन करना नहीं होता हैं बल्कि शीतलता के साथ शांत स्थिर और गरिमा से भरपूर बने रहना है। यह आत्मबल की वह शक्ति है जो प्रतिक्रिया नहीं देती, बल्कि परिस्थिति को प्रेम और धैर्य से संभालती है। सच्ची सहनशीलता भीतर की नरमी है, जो रिश्तों और परिस्थितियों को टूटने नहीं देती हैं । किसी के स्वभाव में सहनशीलता होना दुर्बलता नहीं है अपितु उच्च कोटि की परिपक्वता है । वह जो व्यक्ति दूसरों के अप्रिय व्यवहार से टूटता ही नजर आता है, वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ पाता, अपने मन की जड़ें कभी मजबूत नहीं कर पाता हैं । सहनशीलता का मतलब यह नहीं कि अन्याय स्वीकार करे बल्कि यह समझना है कि गुस्से से कुछ नहीं सुधरता। वह प्रभावी प्रक्रिया के लिए शांत भाव पर प्रभावी मूड से प्रतिकार करना होगा । यह वह अदृश्य शक्ति है जो जीवन के तूफानों में भी आशा के दीप जलाए रखती हैं । इसीलिए तो कहा जाता हैं कि सहनशीलता कमजोरी नहीं, सोच की परिपक्वता है। वह सहनशीलता का अर्थ किसी कठिन परिस्थिति, दर्द, असुविधा या विपरीत विचारों आदि - आदि को धीरज/ धैर्य, संतोष , सब्र ,सहिष्णुता, बर्दाश्त, क्षमाशीलता और विनम्रता , शांति और समझदारी से स्वीकार करने या झेलने की मानसिक क्षमता है। यह मानसिक मजबूती, संयम और बिना गुस्सा किए विपरीत परिस्थितियों में शांत रहने का गुण है, न कि केवल चुपचाप सहना हैं । जैसे भारी दबाव या असफलता के बावजूद शांत रहकर काम करते रहना , दूसरों की गलतियों को माफ करना और असहमत होने पर भी उन्हें सम्मान देना , आलोचना या अपमान को बिना प्रतिक्रिया दिए सहना और मन में शांति बनाए रखना आदि - आदि यह एक सकारात्मक गुण है जो व्यक्ति को विषम परिस्थितियों में भी स्थिर और गरिमापूर्ण बनाए रखता है। सभ्यता के आदिकाल में और आज के जमाने में आकाश पाताल का अंतर है । पाषाण युग से आज के आणविक एवं तकनीकी युग में पहुंचने के लिए अकल्पनीय काल का समय आहिस्ते-आहिस्ते निरंतर चलते चलते बीता है । पर इस यात्रा में एक बात सिद्ध होती है कि हमारे पूर्वज ज्ञान और प्रज्ञा के भंडार थे ।

> प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

परिवारों को आर्थिक आधार प्रदान करने में सफल हो रही बकरी पालन योजना

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जाति के परिवारों को स्वरोजगार से जोड़ने और उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बकरी पालन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया जा रहा है। चालू वित्तीय वर्ष में अनुदान संख्या-83 के अंतर्गत संचालित इस योजना हेतु शासन द्वारा 3 करोड़ 92 लाख 94 हजार रुपये की अनुपूरक वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत धनराशि का प्रदेश के विभिन्न जनपदों को उनकी मांग और आवश्यकता के सापेक्ष त्वरित आवंटन भी कर दिया गया है।

शासन द्वारा यह वित्तीय आवंटन अनुसूचित जातियों के लिए संचालित विशेष घटक योजना के अंतर्गत उपलब्ध कराया गया है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य पात्र परिवारों को पशुपालन आधारित आजीविका के सुलभ अवसर उपलब्ध कराना, उनकी घरेलू आय में वृद्धि करना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाना है। बकरी पालन अत्यंत कम पूंजी में प्रारंभ होने वाला आजीविका का महत्वपूर्ण साधन है, जिससे विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को त्वरित लाभ प्राप्त होता है।

शासन से प्राप्त दिशा-निर्देशों के क्रम में जनपद अलीगढ़ में इस योजना के सफल और पारदर्शी क्रियान्वयन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा आवंटित धनराशि का उपयोग निर्धारित मार्गदर्शिकाओं और वित्तीय नियमों के पूर्ण अनुपालन के साथ सुनिश्चित किया जा रहा है। जनपद अलीगढ़ में चयन प्रक्रिया की निष्पक्षता और शुचिता सुनिश्चित करने के लिए विशेष कार्ययोजना लागू की गई है। इस बार चयन प्रक्रिया में पूर्व में तैयार की गई प्रतीक्षा सूची को भी अनिवार्य रूप से सम्मिलित करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे पूर्व में आवेदन कर चुके पात्र नागरिक लाभ से वंचित न रहें। लाभार्थियों का चयन शासनादेशों में निर्धारित पात्रता मानकों और पारदर्शी प्रक्रियाओं के अनुसार ही निष्पादित किया जा रहा है।

वर्तमान में जनपद अलीगढ़ के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप पात्र लाभार्थियों का चयन पूरा कर लिया गया है। इसके साथ ही, भविष्य के विस्तार और पारदर्शिता को दृष्टिगत रखते हुए 44 अन्य पात्र लाभार्थियों की एक विधिवत प्रतीक्षा सूची भी तैयार की गई है।

विभागीय प्राविधानों के अंतर्गत योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के अनुसूचित जाति वर्ग के बेरोजगार पुरुष एवं महिला पशुपालक पात्र हैं। चयन प्रक्रिया में भूमिहीन परिवारों, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, विधवाओं, निराश्रित महिलाओं तथा दिव्यांगजनों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके साथ ही, आवेदक के पास पशुओं के सुरक्षित रख-रखाव के लिए पर्याप्त स्थल और बुनियादी व्यवस्था की उपलब्धता होना अनिवार्य किया गया है।

पशुपालन विभाग की अधिकृत संरचना के अनुसार योजना के अंतर्गत 5 मादा और 1 नर (5$1 इकाई) बकरी पालन मॉडल स्थापित किया जा रहा है। इस मानक इकाई की कुल परियोजना लागत 60 हजार रुपये निर्धारित है, जिसमें प्रदेश सरकार द्वारा 90 प्रतिशत यानी 54 हजार रुपये तक का अनुदान उपलब्ध कराया जाता है। लाभार्थी को केवल 10 प्रतिशत यानी 6 हजार रुपये का अंशदान करना होता है, जिससे निर्धन परिवारों पर आर्थिक भार नहीं पड़ता। जनपद अलीगढ़ में पशुओं की खरीद और वितरण प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष रखने के लिए जिला स्तरीय व्यवस्था के तहत पारदर्शी खरीद कराई जाती है। लाभार्थियों को रोगमुक्त, स्वस्थ और उन्नत नस्ल के पशु चुनने की पूरी स्वतंत्रता प्रदान की जाती है। योजना के अंतर्गत क्रय किए गए सभी पशुओं की अनिवार्य ईयर-टैगिंग कराई जाती है, जिससे उनका भौतिक सत्यापन और डिजिटल अभिलेखीकरण सुगमता से सुनिश्चित हो सके। पशुपालन को दीर्घकालिक और लाभप्रद उद्यम बनाने के लिए लाभार्थियों के तकनीकी प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान अथवा राजकीय प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से चयनित लाभार्थियों को वैज्ञानिक देख-रेख, संतुलित आहार, प्रजनन प्रबंधन और उन्नत पशुपालन विधियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिलाया जा रहा है, ताकि पशुपालक आधुनिक तकनीकों को अपनाकर अपनी उत्पादकता में निरंतर वृद्धि कर सकें।

पशु स्वास्थ्य प्रबंधन के तहत पशुपालन विभाग द्वारा जनपद में सुदृढ़ चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। योजना के पशुओं को पीपीआर, खुरपका-मुंहपका और ईटी जैसे घातक रोगों से बचाने के लिए समयबद्ध टीकाकरण और नियमित कृमिनाशक दवाओं का वितरण सुनिश्चित किया जाता है। साथ ही, आपातकालीन चिकित्सा सहायता के लिए 1962 टोल-फ्री हेल्पलाइन और मोबाइल वेटरनरी सेवा के माध्यम से लाभार्थियों के द्वार पर त्वरित उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है।

लाभार्थियों को वित्तीय और प्राकृतिक जोखिम से सुरक्षित रखने के लिए पशुधन बीमा की व्यवस्था को अनिवार्य घटक बनाया गया है। वितरित बकरियों और बकरों का निर्धारित अवधि के लिए व्यापक बीमा कराया जाता है, जिसका प्रीमियम स्वीकृत अनुदान राशि से ही वहन होता है। इससे किसी भी अप्रत्याशित बीमारी या दुर्घटना की स्थिति में गरीब पशुपालक को पूंजीगत नुकसान नहीं होता और उनका आजीविका साधन निरंतर सुरक्षित रहता है।

ग्रामीण परिवेश में बकरी पालन को उच्च लाभ और न्यूनतम जोखिम वाला उद्यम माना जाता है। बकरियों की तीव्र प्रजनन क्षमता और स्थानीय बाजारों में दूध, मांस व जैविक खाद की निरंतर मांग के चलते यह व्यवसाय वर्ष भर आय प्रदान करता है। कुछ ही समय में पशुओं की संख्या बढ़ने से यह लघु इकाई एक आत्मनिर्भर व्यावसायिक मॉडल में बदल जाती है, जिससे लाभार्थी परिवारों का आर्थिक स्तर तेजी से सुधरता है। योजना की वित्तीय और प्रशासनिक शुचिता बनाए रखने के लिए जनपद अलीगढ़ से चयनित सभी लाभार्थियों की सूची विभागीय ई-मेल प्रणाली के माध्यम से सीधे निदेशालय को प्रेषित की जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि आवंटित धनराशि का व्यय निर्धारित समयसीमा के भीतर शत-प्रतिशत वित्तीय नियमों के अनुसार हो, ताकि योजना का लाभ लक्षित समुदाय को समय पर मिल सके।

प्रदेश सरकार की यह कल्याणकारी पहल जनपद अलीगढ़ के अनुसूचित जाति परिवारों को आत्मनिर्भरता की मुख्यधारा से जोड़ने में मील का पत्थर सिद्ध हो रही है। पशुपालन आधारित स्वरोजगार से जुड़कर ग्रामीण परिवार न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं, बल्कि उनके सामाजिक सम्मान और जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय सकारात्मक परिवर्तन आ रहा है। यह योजना समावेशी ग्रामीण विकास के संकल्प को धरातल पर साकार कर रही है।

नवंबर-दिसंबर 2026 और जनवरी 2027 केएपीआई के अनुसार जिला एवं ब्लॉक स्तर पर होगी नियमित निगरानी

योगी सरकार में स्कूल शिक्षा को परिणामोन्मुख बनाने की पहल

कार्ययोजना

हेमन्त कृष्ण

गुणवत्ता शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण, निपुण आकलन और विद्यालय निरीक्षण सहित प्रमुख गतिविधियों के लिए समयबद्ध लक्ष्य निर्धारित

75 जनपदों में मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालयों के निर्माण कार्यों की प्रगति पर नजर

तमसा संकेत, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश की स्कूल शिक्षा व्यवस्था को अधिक गुणवत्तापूर्ण, परिणामोन्मुख और जवाबदेह बनाने के लिए नवंबर-दिसंबर 2026 तथा जनवरी 2027 की कार्ययोजना निर्धारित की गई है। महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी द्वारा जारी निर्देशों में की परफॉर्मेंस इंडिकेटर (केपीआईज) के माध्यम से शैक्षिक गतिविधियों की प्रगति पर नियमित निगरानी और समयबद्ध लक्ष्यपूर्ति सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। जिला एवं ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को निर्धारित गतिविधियों का क्रियान्वयन कराने और प्रगति का विवरण संबंधित पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा में सभी गतिविधियां पूरी कर प्रगति संबंधित पोर्टल पर दर्ज है। केपीआई की समीक्षा मासिक बैठकों में होगी, जिससे योजनाओं के क्रियान्वयन, लक्ष्यपूर्ति और जवाबदेही को मजबूत किया जा सके। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 21 से 30 दिसंबर 2026 तथा 20 से 30 जनवरी 2027 के दौरान कक्षा 1 और 2 के विद्यार्थियों का निपुण विद्यालय आकलन पारदर्शी एवं समयबद्ध ढंग से पूरा कराया जाएगा। निपुण लक्ष्य हासिल करने वाले विद्यार्थियों की उपलब्धि सुनिश्चित करने और प्रोजेक्ट-आधारित शिक्षण सामग्री का विद्यालयों में उपयोग कराने पर भी जोर है।

निर्माण कार्यों के अंतर्गत प्रदेश के 75 जनपदों में मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालयों के निर्माण की प्रगति और गुणवत्ता की निगरानी की जाएगी। बालिका शिक्षा के अंतर्गत स्वीकृत केजीबीवी निर्माण कार्यों को पूरा कराने, छात्राओं की उपस्थिति और नामांकन की स्थिति पर ध्यान देने तथा संबंधित अधिकारियों द्वारा निर्धारित संख्या में विद्यालयों का निरीक्षण करने के निर्देश हैं। आरटीई के अंतर्गत आवंटित बच्चों का शत-प्रतिशत सत्यापन पोर्टल पर किया जाएगा। प्री-प्राइमरी के अंतर्गत बाल वाटिका में 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का प्रवेश, ईसीसीई गतिविधियों और आंगनवाड़ी केंद्रों से समन्वय की निगरानी होगी। सामुदायिक सहभागिता के अंतर्गत लर्निंग बाय डूइंग, स्कूल चलो अभियान और आउट-ऑफ-स्कूल बच्चों के सर्वे एवं नामांकन से जुड़ी गतिविधियां संचालित की जाएंगी। समेकित शिक्षा में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान, सहायक उपकरणों और संसाधनों की उपलब्धता तथा यू-डायस+ पोर्टल पर आवश्यक डाटा अद्यतन करने के निर्देश दिए गए हैं।

समीक्षा बैठकों और पोर्टल पर रिपोर्टिंग से मजबूत होगी मॉनिटरिंग

गुणवत्ता शिक्षा के अंतर्गत जिला स्तरीय बैठकों, इंडिकेटर नेशनल बेंचमार्किंग एंड मॉनिटरिंग कमिटी (एनबीएमसी) से प्राप्त डेटा आधारित डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स (डीटीएफ) की मासिक समीक्षा, बीएसए द्वारा बीईओ के साथ साप्ताहिक समीक्षा तथा बीईओ-एआरपी की मासिक बैठक आयोजित करने को कहा गया है। बैठकों से संबंधित कार्यवृत्त पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे। समग्र शिक्षा एवं पीएम पोषण योजना की गतिविधियों के क्रियान्वयन और व्यय-विवरण की समय पर पोर्टल पर उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाएगी।

शिक्षक प्रशिक्षण और डिजिटल सामग्री के उपयोग पर जोर

शिक्षक प्रशिक्षण के अंतर्गत विकासखंड स्तर पर प्रशिक्षण, शिक्षकों के लिए निर्देशानुसार प्रशिक्षण और डिजिटल शिक्षण सामग्री के कक्षा-कक्ष में उपयोग पर ध्यान दिया जाएगा। शिक्षकों द्वारा दीक्षा पर उपलब्ध डिजिटल सामग्री और निष्ठा कोर्स का उपयोग सुनिश्चित कराने के साथ प्रोजेक्ट-आधारित, गतिविधि-आधारित और कैच-अप शिक्षण को प्रभावी बनाया जाएगा। निपुण लक्ष्य प्राप्ति, विद्यार्थियों के आकलन और प्रगति पत्रक व तालिका के अद्यतन की भी निगरानी होगी।

ऐप से अनारक्षित टिकट बुक करने पर 03 प्रतिशत की छूट का ले रहे लाभ

तमसा संकेत, संवाददाता

भारतीय रेल का मोबाइल ऐप रेलवन यात्रियों के बीच बड़ी तेजी से हो रहा लोकप्रिय

लखनऊ। रेलवन ऐप की शुरुआत पिछले साल जुलाई में हुई थी। रेलवन ऐप को यात्रियों के लिए वन स्टाप सोल्यूशन के रूप में विकसित किया गया है। कोई भी यात्री जिसके पास स्मार्टफोन है वह बडी आसानी से इसको उपयोग में ले सकता है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री अमित सुदर्शन के अनुसार डिजिटल बुकिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, रेलवन ऐप पर सभी डिजिटल भुगतान माध्यमों से रेलवे के अनारक्षित टिकट बुक करने पर 03 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। उपर्युक्त 3 प्रतिशत छूट की अवधि को 31.03.2027 तक बढ़ा दिया गया है। यह प्रावधान आर-वॉलेट को छोड़कर रेलवन ऐप पर अनारक्षित टिकट बुक करने और डिजिटल भुगतान करने पर लागू है। रेलवन ऐप पर आर-वॉलेट के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक करने की स्थिति में, 3 प्रतिशत बोनस कैशबैक के रूप में प्रदान करने की वर्तमान प्रणाली दिनांक 24.08.2028 तक जारी रहेगी रेलवे प्रशासन द्वारा रेल वन ऐप को प्रोत्साहित करने के लिए सोशल मीडिया, जागरूकता अभियानों और रेलवे कर्मचारियों के माध्यम से यात्रियों को लगातार प्रेरित किया जा रहा है। रेल का उद्देश्य यात्रियों को सुविधाजनक, तेज और पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराना है। यात्रियों से अनुरोध है कि अधिक से अधिक रेल वन ऐप का उपयोग करें और भारतीय रेलवे के "डिजिटल इंडिया" एवं आत्मनिर्भर भारत अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान दें।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में मांस से भरी वैन पकड़ी, विहिप का हंगामा

मॉल (मलिहाबाद), लखनऊ। लखनऊ में सोमवार को मांस से भरी एक वैन पकड़ी गई। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने वैन में प्रतिबंधित मांस ले जाने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। नामजद चार आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। वैन के अंदर प्लास्टिक की 7 बोरियों में मांस भरा था।

लखनऊ में सहकारी समिति के कर्मचारियों ने मांगी इच्छा मृत्यु

लखनऊ । लखनऊ में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (बी-पैक्स) के कर्मचारियों ने राष्ट्रपति से सामूहिक इच्छा मृत्यु की अनुमति मांगी है। एम-पैक्स कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष शैलेन्द्र तिवारी ने इस संबंध में राष्ट्रपति को पत्र भेजा है। नका कहना है कि 8 से 10 साल से नियमित वेतन नहीं मिलने के कारण परिवार का भरण-पोषण और बच्चों की पढ़ाई तक मुश्किल हो गई है। कर्मचारी 12 दिन से इको गॉर्डन में धरने पर बैठे है। कर्मचारियों में सरकार के खिलाफ गहरी नाराजगी है।

43 सेकेंड में कार की बैटरी चोरी

लखनऊ । लखनऊ के पॉश इलाके गोमती नगर में कार से बैटरी चोरी करने वाला एक गिरोह घूम रहा है। विभव खंड इलाके में पीपल वाले हनुमान मंदिर के पास रविवार देर रात ढाई बजे चोरों ने सिर्फ 43 सेकेंड में घर के बाहर खड़ी कार की बैटरी चोरी कर फरार हो गए। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। मामले में पीड़ित ने विभूति खंड थाने में शिकायत कर पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

दीपोत्सव की तैयारियों का जायजा लेने ग्राउंड जीरो पर उतरे योगी

सीएम ने अब तक हुई प्रगति की जानकारी ली, अधिकारियों को समयबद्ध कार्य पूरा करने के दिए निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अयोध्या। दीपोत्सव-2026 की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर रामनगरी पहुंचे। रामकथा पार्क के समीप बने हेलीपैड पर उनका हेलीकॉप्टर उतरा, जहां जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने स्वागत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री सीधे रामकथा पार्क पहुंचे और दीपोत्सव से जुड़े विभिन्न कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों की प्रगति परखी। उन्होंने अधिकारियों को आयोजन को भव्य, सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने रामकथा पार्क में दीपोत्सव के लिए चल रहे कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने आयोजन स्थल पर व्यवस्था, निर्माण कार्यों और तैयारियों की स्थिति देखी। अधिकारियों से अब तक पूरे हो चुके कार्यों तथा शेष तैयारियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी काम पूरे कर लिए जाएं, ताकि आयोजन के दौरान किसी तरह की अव्यवस्था न हो। रामकथा पार्क के बाद मुख्यमंत्री राम की पैड़ी पहुंचे। यहां उन्होंने सरयू आरती घाट का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं की सुविधा और आयोजन से जुड़े इंतजामों को देखा। इसके बाद राम की पैड़ी पर तैयार किए जा रहे मंच का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और पर्यटकों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं पहले से दुरुस्त रखी जाएं। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि दीपोत्सव से संबंधित सभी कार्य तय समय पर पूरे हों। घाटों, मार्गों और आयोजन स्थलों पर श्रद्धालुओं को आवागमन, दर्शन तथा अन्य सुविधाओं में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने समन्वय बनाए रखने और तैयारियों की लगातार निगरानी करने पर भी जोर दिया। निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री दर्शन-पूजन के लिए रवाना हो गए। इस दौरान कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान एवं अयोध्या जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही सहित जनप्रतिनिधि और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के मार्गदर्शन में प्रदेश के खाद्य निर्यातकों को मिली बड़ी सौगात

आरएफआरएसी लखनऊ को एपीईडीए की मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं की सूची में स्थान

सहायता

- **अब खाद्य एवं कृषि उत्पादों के निर्यातकों को प्रदेश में ही मिलेंगी गुणवत्ता परीक्षण की विश्वसनीय सुविधाएं**
- **निर्यातकों को समय की बचत के साथ अन्य राज्यों की प्रयोगशालाओं पर निर्भरता से मिलेगी मुक्ति**

इस सुविधा के माध्यम से खाद्य एवं कृषि उत्पादों के निर्यातक आरएफआरएसी, लखनऊ की प्रयोगशाला से अपने निर्यात उत्पादों की आवश्यक जांच एवं परीक्षण रिपोर्ट प्राप्त कर सकेंगे। इससे परीक्षण प्रक्रिया में लगने वाला समय कम होगा, निर्यातकों के कार्य में सुगमता आएगी तथा निर्यात संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में सुविधा मिलेगी।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के मार्गदर्शन में प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के विकास, कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने तथा गुणवत्ता परीक्षण सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। रीजनल फूड रिसर्च एंड एनालिसिस सेंटर (RFRAC), लखनऊ को कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA) की मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं की सूची में शामिल किया गया है। इससे प्रदेश के खाद्य एवं कृषि उत्पादों के निर्यातकों को अब अपने उत्पादों की आवश्यक जांच एवं परीक्षण रिपोर्ट प्राप्त करने के लिए प्रदेश से बाहर की प्रयोगशालाओं पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने इस उपलब्धि को प्रदेश के खाद्य प्रसंस्करण एवं कृषि निर्यात क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि प्रदेश सरकार किसानों, उद्यमियों एवं निर्यातकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आधुनिक परीक्षण सुविधाओं का विस्तार होने से कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, निर्यातकों की कठिनाइयों को दूर करने तथा उत्तर प्रदेश के उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में नई पहचान दिलाने में सहायता मिलेगी।

अध्यक्ष राजस्व परिषद व उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री बी.एल. मीणा के नेतृत्व में प्रदेश में खाद्य गुणवत्ता परीक्षण सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण एवं निर्यात संवर्धन की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। APEDA की मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं की सूची में RFRAC, लखनऊ को शामिल किया जाना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अपर मुख्य सचिव श्री बी.एल. मीणा ने प्रदेश के सभी निर्यातकों से अपील की है कि वे अपने निर्यात उत्पादों की आवश्यक जांच एवं परीक्षण रिपोर्ट RFRAC, लखनऊ की APEDA सूचीबद्ध प्रयोगशाला से प्राप्त करें।

676 इंसास राइफल और करीब 58 हजार से अधिक कारतूस खरीदेगा कारागार विभाग, शासन को भेजा प्रस्ताव

जेलों की सुरक्षा को मिलेगी इंसास की ताकत

- **योगी सरकार खरीदेगी 676 राइफल**
- **जेल वार्डर समेत सुरक्षा कर्मियों को मिलेगा आधुनिक हथियारों का प्रशिक्षण**
- **पिछले दो वर्षों में 254 इंसास राइफल और 44,875 कारतूस खरीदे गये**

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के साथ पुलिस एवं कारागार व्यवस्था के आधुनिकीकरण पर तेजी से काम कर रही है। इसी क्रम में योगी सरकार जेलों की सुरक्षा व्यवस्था को अधिक मजबूत बनाने और जेल वार्डर समेत कारागार अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बेहतर प्रशिक्षण देने के लिए 676 अत्याधुनिक इंसास राइफल खरीदने जा रही है। इसके साथ ही प्रशिक्षण और अन्य आवश्यक उपयोग के लिए 58,795 कारतूस भी खरीदे जाएंगे। इस पूरी खरीद प्रक्रिया पर कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं विभाग करीब 14 करोड़ रुपये खर्च करेगा। इसके लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। योगी सरकार की इस पहल का उद्देश्य कारागारों में तैनात सुरक्षा बलों को आधुनिक हथियारों से लैस करने के साथ उनकी कार्यक्षमता और प्रशिक्षण के स्तर को बेहतर बनाना है। प्रस्ताव के अनुसार, 676 राइफलों की खरीद पर करीब साढ़े 13 करोड़ रुपये खर्च किये जाएंगे जबकि 58,795 कारतूस की खरीद के लिए लगभग 30 लाख रुपये खर्च किये जाएंगे। इस प्रकार पूरी खरीद प्रक्रिया पर करीब 14 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसका उद्देश्य जेल वार्डर और अन्य सुरक्षा अधिकारियों को आधुनिक हथियारों के संचालन का प्रशिक्षण के साथ जेल की सुरक्षा को और अधिक मजबूत करना है। डीजी पीसी मीना ने बताया कि योगी सरकार की योजना में केवल हथियारों की खरीद ही शामिल नहीं है, बल्कि सुरक्षा कर्मियों की व्यावहारिक दक्षता बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है। इसी उद्देश्य से 58,795 कारतूस खरीदे जाएंगे। इनका उपयोग जेल वार्डर समेत अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रशिक्षण के लिए किया जाएगा।

योगी सरकार जेलों की सुरक्षा को और अधिक चाक-चौबंद करने के लिये 14 करोड़ से खरीदेगी हथियार और कारतूस

साढ़े 13 करोड़ से खरीदी जाएगी 676 इंसास राइफल

डीजी कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं पीसी मीना ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था को तकनीकी और संसाधन के स्तर पर लगातार मजबूत किया जा रहा है। पुलिस बल के आधुनिकीकरण के साथ जेलों की सुरक्षा को भी सरकार प्राथमिकता दे रही है। इसी दिशा में 676 इंसास राइफल और बड़ी संख्या में कारतूस की खरीद की योजना तैयार की गई है। कारागार विभाग की ओर से खरीदी जाने वाली इंसास राइफल और कारतूस की खरीद उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (यूपी एसटीएफ) के माध्यम से की जाएगी। इसके तहत 5.56 एमएम की एसएलआर इंसास राइफल खरीदी जाएंगी। विभाग ने इसके लिए आवश्यक प्रस्ताव शासन को भेज दिया है।

दीपावली पर समूहों के बनाए दियों से जगमगाएंगे गांव, शहर

- **आजीविका मिशन के समूहों द्वारा बनाए जा रहे गिफ्ट हैंपर के लिए ग्रामीण उपभोक्ताओं में बढ़ी दिलचस्पी**

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्रामीण महिलाओं के आजीविका संवर्धन के बहुत ही सफल व प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं । महिला स्वावलंबन व सशक्तिकरण की दिशा में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा बहुत ही कारगर कदम उठाये गये हैं। लखपति दीदी के लक्ष्यों की ओर निरन्तर अग्रसर राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन उत्तर प्रदेश में त्यौहारों के दृष्टिगत नये कलेवर में काम कर रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के अनुक्रम में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित हो रहे स्वयं सहायता समूह की दीदियों द्वारा दीपावली के पावन अवसर पर बनाए गये उत्पादों को लेकर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में एक अलग तरह की रौनक दिख रही है। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मिशन निदेशक श्री अरूण कुमार ने बताया कि हजारों समूह सदस्यों द्वारा बाजार की मांग के अनुसार डिजाइनर दिए एवं मोमबत्तियों के साथ त्योहार से संबंधित विभिन्न तरह के उत्पाद तैयार किये गये हैं 1 शहरों के तर्ज पर समूह के बने उत्पादों के अलग-अलग तरह के गिफ्ट हैंपर तैयार कराए गये हैं ।

लाभ : आमदनी बढ़ने के साथ-साथ अतिरिक्त साड़ी और स्मार्टफोन की सुविधा से भी बढ़ा सम्मान

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं की दिवाली होगी ज्यादा जगमग

तमसा संकेत, संवाददाता

योगी सरकार ने मानदेय-सुविधाएं बढ़ाकर दिया उपहार

1.75 लाख से अधिक आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और 1.70 लाख से ज्यादा सहायिकाओं को आर्थिक संबल, परिवार को 5 लाख तक कैशलेस इलाज

लखनऊ। इस बार प्रदेश की लाखों आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की दिवाली पहले से अधिक खुशियों के साथ मनेगी। योगी सरकार ने त्योहार से पहले उनके मानदेय में बढ़ोतरी कर लाखों परिवारों को उपहार दिया है। लंबे समय से बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा की जिम्मेदारी निभा रहीं इन कर्मियों को अब बढ़ा हुआ मानदेय मिल रहा है। कार्यकर्ताओं का मानदेय 8 हजार से बढ़ाकर 12 हजार रुपये और सहायिकाओं का 4 हजार से बढ़ाकर 6 हजार रुपये प्रतिमाह किया गया है। इससे कार्यकर्ताओं को हर महीने 4 हजार और सहायिकाओं को 2 हजार रुपये अतिरिक्त मिल रहे। बढ़ी हुई आमदनी से जहां घर का बजट मजबूत होगा,

पहले से बेहतर होगी परिवार की आर्थिक स्थिति

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सावित्री ने कहा कि मानदेय में बढ़ोतरी का फैसला हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए बड़ी खुशी की बात है। हर महीने 4 हजार रुपये अतिरिक्त मिलने से घर के खर्च और बच्चों की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। दिवाली के समय सरकार की इस सौगात से हमारी खुशियां दोगुनी हो गई हैं। वहीं सीमा ने कहा कि मानदेय बढ़ने के साथ पूरे परिवार को 5 लाख रुपये तक कैशलेस इलाज की सुविधा मिलना बहुत महत्वपूर्ण है। कई बार बीमारी के समय परिवार के सामने आर्थिक परेशानी खड़ी हो जाती है। अब इस सुविधा से बड़ी राहत मिलेगी। सरकार ने हमारी मेहनत और जिम्मेदारियों को महत्व दिया है।

हर महीने मिल रहा आर्थिक संबल

अपर मुख्य सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग लीना जौहरी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार 1,75,982 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और 1,70,656 सहायिकाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और सामाजिक सुरक्षा के लिए प्रतिबद्धता से कार्य रही है। मानदेय में वृद्धि से उन्हें हर महीने अतिरिक्त आर्थिक संबल मिल रहा है। इसके साथ ही परिवार को 5 लाख रुपये तक कैशलेस इलाज की सुविधा देने का निर्णय उनके जीवन में सुरक्षा का भरोसा बढ़ा है। सरकार का प्रयास है कि बच्चों के पोषण और देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली इन कर्मियों को बेहतर सुविधाएं और सम्मान मिले।

परिवार को 5 लाख तक कैशलेस इलाज, तीन साड़ियों का भी मिलेगा लाभ

योगी सरकार ने करीब 3.35 लाख आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं व परिवार के सदस्यों की स्वास्थ्य सुरक्षा को भी प्राथमिकता दी है। अब उन्हें अपने परिवार के साथ हर साल 5 लाख रुपये तक कैशलेस इलाज का प्रावधान है। सरकारी अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में जरूरत होने पर इसका लाभ ले सकती हैं। इसके अलावा अब तक मिलने वाली दो साड़ियों के स्थान पर तीन साड़ियां दी जाएंगी। इसके लिए 500 रुपये अतिरिक्त उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था की गई है।

2.25 करोड़ से अधिक परिवारों तक पहुंचा नल से शुद्ध पानी

1.16 लाख से अधिक विद्यालयों में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित

तमसा संकेत, संवाददाता

- **प्रदेश के 38,317 गांवों में शत-प्रतिशत घरों तक पहुंचा नल से जल, 28,309 से अधिक गांव हर घर जल प्रमाणित**
- **5.20 लाख किलोमीटर से अधिक बिछाई गई पाइपलाइन**
- **योगी सरकार का जल गुणवत्ता पर विशेष ध्यान, परीक्षण के लिए पांच लाख से अधिक महिलाओं को दिया गया प्रशिक्षण**

लखनऊ। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक परिवार को शुद्ध, सुरक्षित और गुणवत्तायुक्त पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित हर घर जल योजना महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कर रही है। प्रदेश में कुल 2 करोड़ 67 लाख 20 हजार घरों को ग्रामीण पाइप पेयजल योजनाओं से आच्छादित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके सापेक्ष अब तक 2 करोड़ 25 लाख से अधिक परिवारों को क्रियाशील गृह नल संयोजन उपलब्ध कराया जा चुका है। इससे ग्रामीण परिवारों को घर पर ही नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल की सुविधा मिल रही है। योगी सरकार का जल गुणवत्ता पर विशेष ध्यान है। गुणवत्ता का परीक्षण करने के लिए पांच लाख से अधिक ग्रामीण महिलाओं को विशेष रूप से प्रशिक्षित किया गया है। वहीं, प्रदेश के विन्ध्य एवं बुन्देलखण्ड क्षेत्र के नौ जनपदों में विभिन्न ग्रामीण पाइप पेयजल परियोजनाओं के माध्यम से निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष 98.50 प्रतिशत परिवारों को क्रियाशील गृह नल संयोजन के जरिए शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। इन क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया गया है।

प्रदेश के अन्य 66 जनपदों में कुल 2,46,21,140 परिवारों को गृह नल संयोजन उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। इसके सापेक्ष अब तक 2,25,81,445 परिवारों को क्रियाशील गृह नल संयोजन प्रदान किया जा चुका है। शेष परिवारों को भी योजना से जोड़ने के लिए ग्रामीण पाइप पेयजल परियोजनाओं का कार्य तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

उम्र-30, आगरा में मां-पत्नी बेहोश, बोलीं- सीनियर टॉर्चर करते, छुट्टी नहीं देते थे

रेलवे अफसर का डीआरएम ऑफिस में शव कुर्सी पर मिला

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा । आगरा रेल मंडल के DRM ऑफिस में 30 साल के असिस्टेंट ऑपरेशंस मैनेजर (AOM) ने सुसाइड कर लिया। उनका शव चैंबर में कुर्सी पर पड़ा मिला। रविवार देर रात तक अभिषेक सिंह घर नहीं पहुंचे तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। उन्होंने ऑफिस में फोन किया। साथी कर्मचारी उनके चैंबर के पास पहुंचे। चैंबर खुला था और अभिषेक सिंह कुर्सी पर मृत मिले। मुंह से झाग निकल रहा था। आसपास कुछ गोलियां पड़ी थीं। शव देखकर मां बेहोश हो गईं। उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा है। पत्नी आस्था ने आरोप लगाया कि अधिकारी उन्हें प्रताड़ित करते थे। इधर, सोमवार सुबह रेलवे कर्मचारी भड़क गए हैं। DRM ऑफिस के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। वे 'कर्मचारियों का शोषण बंद करो', अधिकारियों को जेल भेजो' जैसे नारे लगा रहे हैं। अफसर कर्मचारियों को समझाने में जुटे हैं।

अभिषेक सिंह
मृतक

घर से डायरी लेकर ऑफिस गए, फिर नहीं लौटे

अभिषेक रविवार सुबह ऑफिस आए थे। दोपहर 3 बजे घर गए और वहां से एक डायरी लेकर लौटे। इसके बाद घर नहीं पहुंचे। रात 9 बजे तक अभिषेक के घर न लौटने पर परिजनों को चिंता हुई। उन्होंने फोन किया, लेकिन मोबाइल स्विच ऑफ मिला। इसके बाद साथी कर्मचारियों को फोन कर बताया कि अभिषेक घर नहीं आए हैं।

कुछ देर बाद साथियों ने परिजनों को अभिषेक की मौत की सूचना दी। यह सुनते ही घरवाले ऑफिस पहुंचे। शव देखकर पत्नी आस्था और मां सुशीला देवी फूट-फूटकर रोने लगीं। अभिषेक की मौत की खबर से DRM ऑफिस में हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस और फोरेंसिक टीम पहुंची और जांच-पड़ताल की। पत्नी आस्था ने बताया कि सीनियर अधिकारी उनके पति को प्रताड़ित कर रहे थे। अभिषेक कहते थे कि सब फिर ठीक हो जाएगा। मुझे ट्रेनिंग पर भी नहीं जाने दे रहे हैं। दो बार नाम आया, लेकिन दोनों बार मेरी ट्रेनिंग कैंसिल कर दी। आस्था ने बताया कि अधिकारी हमेशा अभिषेक को डांटते रहते थे। वह कहते थे कि नौकरी नहीं हो पा रही है। बहुत कठिन है। यहां बहुत डांटते हैं। मैंने उनसे कहा कि अधिकारियों से काम समझने के लिए थोड़ा समय मांगिए। लेकिन अधिकारी समय नहीं दे रहे थे।

घर के इकलौते बेटे थे, तनाव में चल रहे थे

AOM अभिषेक सिंह परिवार के इकलौते बेटे थे। 3 महीने पहले ही उनका प्रयागराज से आगरा ट्रांसफर हुआ था। वह DRM ऑफिस कैंपस में बने सरकारी आवास में पत्नी और बच्चों के साथ रहते थे।

परिवार में पत्नी आस्था, मां सुशीला और दो बच्चे हैं। उनका एक बेटा 4 महीने पहले ही पैदा हुआ था।उनके घर और ऑफिस के बीच करीब 200 मीटर की दूरी है। बताया जा रहा है कि अभिषेक काफी दिनों से तनाव में थे।

पत्नी आस्था और बड़े बेटे के साथ अभिषेक सिंह। (फाइल फोटो)

> पुलिस का कहना है कि 2 पेज का सुसाइड नोट मिला है। इसमें अभिषेक ने किसी को भी मौत का जिम्मेदार नहीं बताया है। उन्होंने लिखा है कि वो एक अच्छे बेटे और पति नहीं बन पाए। वो समाज और नौकरी के बीच सामंजस्य नहीं बैठा पा रहे हैं। मैं इस नौकरी के लिए फिट नहीं हूं। उन्होंने माफी भी मांगी है।

करोड़पति करोबारी को बंधक बनाने में 2 होटलों में छापेमारी

बिल्डर समेत 8 को नोटिस, 3 दिन में मांगा जवाब

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में 140 करोड़ की संपत्ति कब्जाने के लिए कारोबारी प्रणवपत सिंघानिया को दो साल तक अलग-अलग होटलों में बंधक बनाने के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पुलिस ने स्वरूप नगर स्थित होटल रॉयल क्लिफ और हर्ष नगर स्थित होटल रीजेंटा में छापेमारी की।

दोनों होटलों के पुलिस रिकॉर्ड और सीसीटीवी मांगे। पुलिस की जांच में सामने आया कि कारोबारी को होटल में बंधक बनाने के मामले में आरोपी सुयश और अनूप अस्थाना ने अपने नाम से रूम बुक कराए थे। इसके साथ ही होटल रीजेंटा के मालिक व बिल्डर आत्माराम खत्री, गौरव सेठी, अशोक मेहरा, अनूप कुमार मेहरा, संजय खत्री और जीएम अनुराग दुबे समेत रॉयल क्लिफ होटल के मालिक हरदीप सिंह, जनरल मैनेजर पीयूष श्रीवास्तव को नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर जवाब मांगा है।

कालपी रोड राधाकुंज निवासी करोड़पति कारोबारी प्रवणपत सिंद्यानिया के मुताबिक वर्ष 2020 में उनकी दोस्ती स्वरूप नगर निवासी सुयश अस्थाना से हुई थी। आरोप है कि सुयश ने वर्ष 2024 में उन्हें मोतीझील के पास बुलाया।

इसके बाद इसके बाद बिल्डर अनूप अस्थाना, सुयश अस्थान, वकील बृजेंद्र नाथ मिश्रा, मेडिकल स्टोर संचालक रमित मिश्रा उर्फ श्रीराम उन्हें कार में बिठाकर ले गए।

रास्ते में उन्हें ड्रग्स का इंजेक्शन दिया और उन्हें 2 माह तक स्वरूप नगर स्थित होटल रॉयल क्लिफ में बंधक बनाकर रखा।

कानपुर निगम में बीजेपी-पार्षद ने नस काटने को उस्तरा निकाला

कानपुर । कानपुर में महापौर और पार्षदों के बीच चल रही खींचतान के बीच सोमवार को नया विवाद सामने आया। निगम कार्यालय पर दोपहर करीब 3 बजे वार्ड-37 अशोक नगर के भाजपा पार्षद पवन गुप्ता की प्रभारी मुख्य अभियंता से किसी बात पर कहासुनी हो गई। इसके बाद पार्षद ने जेब से उस्तरा निकाला और अपनी कलाई की नस काटने की कोशिश की। मौके पर मौजूद साथी पार्षदों ने उन्हें रोक लिया और उस्तरा छीन लिया। पार्षद विकास जायसवाल ने उन्हें समझा-बुझाकर शांत किया और उस्तरा अपनी जेब में रखकर चले गए। इस दौरान वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। पार्षद पवन गुप्ता सोमवार दोपहर करीब 3 बजे मोतीझील स्थित नगर निगम मुख्यालय पहुंचे थे। उन्होंने प्रभारी मुख्य अभियंता आलोक श्रीवास्तव से क्षेत्र के विकास कार्यों से जुड़ी लंबित फाइलों के बारे में जानकारी मांगी। इसी दौरान दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई।

बच्ची की रेप के बाद हत्या करने वाले का एनकाउंटर

हमीरपुर पुलिस ने दोनों पैरों में गोली मारी

तमसा संकेत, एजेंसी

हमीरपुर। हमीरपुर में 3 साल की बच्ची के साथ रेप कर हत्या करने वाले आरोपी का पुलिस ने एनकाउंटर किया। सोमवार सुबह 6 बजे पुलिस उसे घटनास्थल पर ले गई थी। आरोपी ने वहां छिपाकर रखे तमंचे से पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके दोनों पैरों में गोली लग गई। पुलिस उसे कंधों पर टांगकर जिला अस्पताल ले गई। मुठभेड़ जिला मुख्यालय से 50 किमी दूर मुस्कुरा इलाके में हुई।

आरोपी रविवार दोपहर बच्ची को घर के बाहर से उठा ले गया था। उसे अरहर के खेत में ले जाकर रेप किया। इसके बाद पैजामी से गला कसकर उसकी हत्या कर दी थी।

पोस्टमॉर्टम के लिए पुलिस ने शव लेने की कोशिश की तो ग्रामीणों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा और तोड़फोड़ की। आक्रोशित ग्रामीणों ने सीओ की गाड़ी का शीशा तोड़ दिया था। पुलिस के आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ। कस्बा मुस्करा में रहने वाली बच्ची रविवार दोपहर घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान कस्बे का ही रहने वाला हीरा उसे बहलाकर अपने साथ ले गया। वह बच्ची को नई बस्ती के पास अरहर के खेत में ले गया। घरवालों का आरोप है कि वहां बच्ची से रेप करने के बाद उसकी हत्या कर दी।

'कृष्ण टेढ़े हैं' बयान पर धीरेंद्र शास्त्री ने माफी मांगी'

कहा- मेरे नाम में उनका नाम, बात को तोड़ा-मरोड़ा गया

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा । बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री भगवान श्रीकृष्ण पर टिप्पणी करके विवादों में आ गए हैं। उन्होंने भगवान श्रीराम की तुलना श्रीकृष्ण से करते हुए कहा-'तुम अपने वाले ठाकुरजी की एक भी फोटो देख लो। खड़े भी होते हैं, तो तीन जगह से टेढ़े। पांव के ऊपर पांव, कहीं कमर लचकाएं और टेढ़ी गर्दन करके बंसी बजाते हैं।

हमारे वाले तो खड़े भी होते हैं, एकदम सीधे। हमारे वाले का नाम भी सीधा। हमारे वाले का चलना भी सीधा, हमारे वाले दिखते भी सीधे हैं। तुम्हारे वालों का नाम भी टेढ़ा, चलते भी टेढ़े, खड़े भी टेढ़े होते हैं।

पर्वत उठाना बड़ी बात नहीं। हमारे भगवान के चेले ने पूरा पर्वत उड़ा दिया था। हमारे वालों का धाम भी सीधा- अयोध्या, तुम्हारे वाले का- वृंदावन!' धीरेंद्र शास्त्री ने यह टिप्पणी मध्यप्रदेश के शिवपुरी में चल रही श्रीराम कथा के दौरान की। 10 अक्टूबर (रविवार) को वीडियो सामने आने के बाद मथुरा के साधु-संतों ने नाराजगी जताई। धीरेंद्र शास्त्री से माफी मांगने को कहा। इसके बाद सोमवार को धीरेंद्र शास्त्री ने इस पर सफाई दी। कहा- कई लोगों ने मेरी बात का गलत मतलब निकाल लिया। हम खुद ठाकुरजी और ब्रज के भक्त हैं। जब भी ठाकुरजी से प्रार्थना करते हैं, तो कहते हैं कि हमें ब्रज में वास मिले। हम श्रीमद्भागवत कथा भी कहते हैं और ठाकुरजी का गुणगान करते हैं। हमारा भगवान राम और कृष्ण में भेद करने का कोई इरादा नहीं था।

पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने अपने बयान की सफाई में आगे कहा- जैसे सखियां श्रीराम को उलाहना देती हैं। गोपियां ठाकुर श्रीकृष्ण को उलाहना देती हैं। कवि बिंदुजी महाराज ठाकुरजी को और ब्रज के संत कोकिल सांई जी रघुनाथ जी को उलाहना देते हैं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, टाण्डा जनपद अम्बेडकरनगर

पत्रांक 825/न०पा०प०टा०/2026-27 दिनांक- 31.10.2026

अतिअल्पकालीन पुनः ई-निविदा (Retender) सूचना

नगर पालिका परिषद, टाण्डा जनपद अम्बेडकरनगर के द्वारा स्वायत्त निकाय/पब्लिक सेक्टर विभाग/राज्य सरकार/केन्द्र सरकार/अन्य सरकारी विनाग में A/B/C/D/E श्रेणी (जैसा लागू हो) में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर राज्य वित्त आयोग मद के अन्तर्गत इस कार्यालय के पत्र संख्या-919/ न०पा०प०टा०/2025-26 दिनांक 02.01.2026 तथा पुनः निविदा 218/ न०पा०प०टा०/2026-27 दिनांक 15.05.2026 के द्वारा 01 निर्माण कार्य की ई-निविदा आमंत्रित की गयी थी, जिसमें निविदायें अहं न पाये जाने के कारण पुनः ई-निविदा (Retender) आमंत्रित की जाती है। निविदा की शर्तें पूर्ववत् रहेंगी।

1- कार्य का विवरण वेबसाइट https://www.tender.up.nic.in पर लॉगइन कर देखा जा सकता है।

2- वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि दिनांक 02.11.2026 से दिनांक 12.11.2026 तक।

3- प्री-बिड मीटिंग की तिथि व समय दिनांक 06.11.2026 समय 12:00 बजे।

4- ई-निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय दिनांक 12.11.2026 समय 12:00 बजे।

5- ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि/समय दिनांक 12.11.2026 समय अपरान्ह 02:00 बजे।

6- निविदा आमंत्रणकर्ता को आई०टी०बी० के क्लाज-9 के अनुसार परिशिष्ट / शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी सम्भावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल की निगरानी रखें।

7- अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट https://www.tender.up.nic.in पर लॉगइन करें तथा बिड को डाउनलोड करें।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिको परिषद, टाण्डा
अम्बेडकरनगर

पृष्ठ 01 का शेष...

'यूपी के लिए ...

और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाया जा रहा है। इससे पहले, गोरखपुर में एक कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि चार बार के कार्यकाल में सपा ने 1500 बार दंगे करवाए।

बीजेपी और विपक्षी दलों के बीच अंतर बताते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा का अर्थ 'आस्था' है। भाजपा लोगों की आस्था का सम्मान करती है और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं, उन्होंने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि ये दल अपराध और कुशासन के प्रतीक रहे हैं।

नौसेना को मिलेंगे ...

इन जहाजों का इस्तेमाल समुद्री व्यापार के रास्तों की सुरक्षा, दुश्मन के जहाजों और पनडुब्बियों के खिलाफ कार्रवाई और तटीय सुरक्षा के लिए किया जाएगा। ये समुद्र के किनारे सैन्य अभियान चलाने और निगरानी रखने में भी मदद करेंगे।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इन युद्धपोतों में 70% से ज्यादा सामान भारत में बनाया जाएगा। इनका डिजाइन भी भारतीय नौसेना तैयार करेगी। युद्धपोतों को 2030 तक नौसेना को सौंपने का लक्ष्य रखा गया है।

यह प्रोजेक्ट सरकार के आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया अभियान का हिस्सा है। इससे देश में युद्धपोत बनाने के काम को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, रक्षा क्षेत्र में दूसरे देशों पर निर्भरता कम करने और भारतीय कंपनियों की भागीदारी बढ़ाने में मदद मिलेगी।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इन युद्धपोतों के निर्माण से अगले 10 साल में शिपयार्ड में 72 लाख और उनसे जुड़े उद्योगों में 460 लाख काम के दिनों के बराबर रोजगार पैदा होने की उम्मीद है।

दिल्ली- एनसीआर ...

कोर्ट ने निर्देश दिया कि इन क्षेत्रों के साथ-साथ शैक्षणिक संस्थानों को भी 'नो-क्रैकर जोन' घोषित किया जाए। इनकी उचित मार्किंग की जाए और लोगों को इसकी जानकारी दी जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 15 अक्टूबर को दिल्ली-NCR में पटाखे चलाने को लेकर आदेश दिया था। इसमें दो दिन 19 और 20 अक्टूबर को ग्रीन पटाखे फोड़ने की इजाजत दी थी।

30 सितंबर को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि हम पटाखों पर पूरी तरह रोक नहीं लगाएंगे। साथ ही चौबीसों घंटे पटाखे जलाने की अनुमति भी नहीं मिलेगी। बेंच ने कहा था कि बीच का रास्ता निकालना जरूरी है। इसके लिए पटाखे जलाने के तय समय निर्धारित किए जा सकते हैं।

कोर्ट में बताया- देश में ...

उन्होंने स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर 2025 रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि भारत में मौतों के प्रमुख कारणों में वायु प्रदूषण सबसे आगे है।

इसके कारण देश में 20.1 लाख से ज्यादा मौतें हुईं। इनमें से 21% मौतें पांच साल से कम उम्र के बच्चों की थीं।

देश की दया पर हो,...

हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि इमरान को उनके खिलाफ जारी 'लीव इंडिया नोटिस' (LIN) का जवाब देने के लिए कुछ समय दिया जाए। अगली सुनवाई 7 दिसंबर को होगी। तब तक नोटिस पर रोक रहेगी।

एक्टर इमरान खान 42 साल से भारत में रह रहे हैं लेकिन उनके पास अमेरिका की नागरिकता है, 2006 से OCI कार्ड होल्डर हैं। आप इतने सालों से भारत में रह रहे हैं, इस दौरान आपने कभी किसी प्रदर्शन में हिस्सा नहीं लिया। फिर भी अब शामिल क्यों हुए। आप OCI होल्डर हैं, आप भारतीय नागरिक जैसे व्यवहार नहीं कर सकते, आप SIR से प्रभावित ही नहीं हैं, तो आपको प्रोटेस्ट का कोई हक नहीं। आप बचपन से यहां हैं तो भारतीय नागरिकता के लिए अप्लाई क्यों नहीं करते? अगर OCI ही रहना है तो अंडरटेकिंग देनी होगी कि दोबारा ऐसे प्रोटेस्ट में नहीं जाएंगे। इसके अलावा बिना शर्त माफी भी देनी होगी, क्योंकि आपने लोगों को उकसाया है। ये सेलिब्रिटी से अपेक्षित नहीं। आपकी रोजी-रोटी सब इसी देश से है।

मोदी विदेशी मदद से ...

ये प्रोटेस्ट किसी एक पार्टी, एक नेता का नहीं है। ये देश का प्रोटेस्ट है। देश की आवाज है, संविधान को बचाने की आवाज है। राहुल गांधी ने कहा SIR के जरिए 13.3 करोड़ यानी 15 फीसदी मतदाताओं के नाम हटाए गए। इनमें से कई ने 2024 के लोकसभा चुनाव में वोट डाला था। उस चुनाव में जीत का अंतर सिर्फ 3 फीसदी वोट था।

राहुल शनिवार को दिल्ली में मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर चल रही मॉक पार्लियामेंट को संबोधित कर रहे थे। यह संसद 3 घंटे 23 मिनट चली। पूर्व स्पीकर मीरा कुमार ने अध्यक्षता की।

जनसेवा के 10 ...

इसके बाद बसखारी रोड स्थित कांशीराम आवास में जरूरतमंद महिलाओं को साड़ी और कंबल बांटे गए। जन्मदिन के अवसर पर अखंड रामायण पाठ का आयोजन भी किया गया। इसमें भाजपा पदाधिकारियों के साथ चिकित्सक, शिक्षक, अधिवक्ता और पंचायत प्रतिनिधि शामिल हुए। आयोजकों के अनुसार, पाठ में सात हजार से अधिक स्थानीय लोगों ने सहभागिता की। इस तरह जन्मदिन के मौके पर फाउंडेशन की ओर से रक्तदान, जरूरतमंदों की सहायता, शिक्षा, स्वच्छता, पौधरोपण और सड़क सुरक्षा से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए।

राजस्थान में करंट ...

हाईवोल्टेज लाइन का तार रोड़ी-बजरी (कंक्रीट) मिक्सर मशीन के हाइड्रोलिक जैक से टच हुआ था। हादसे में हालेड़ा मंडावरा निवासी हरिराम गुर्जर (30), मंगलचंद गुर्जर (22), कालूराम गुर्जर (29) और पवन गुर्जर (23), छापोली निवासी विष्णु सैनी (38), सुरेंद्र उर्फ सुरेश सैनी (30), मुकेश सैनी (27) और उदयपुरवाटी निवासी नितेश सैनी (32) की मौत हो गई। मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा- मृतकों के आश्रितों को अलग-अलग योजनाओं में 15 लाख मुआवजा और एक-एक सदस्य को संविदा पर नौकरी देने पर सहमति बनी है। विकास अधिकारी और तहसीलदार को राजस्थान और केंद्र सरकार की योजनाओं में लाभ देने के लिए कहा है। वन विभाग की जमीन पर बन रहे इस रास्ते को लेकर झुंझुनूं के डीएफओ को निर्देश दिए है कि संबंधित जनप्रतिनिधि से संपर्क कर रास्ते के डायवर्जन के प्रस्ताव को पोर्टल पर अपलोड करें।

बातचीत के बाद परिजन शव लेने को तैयार हो गए और धरना खत्म कर दिया। सड़क का निर्माण सरकारी की योजना में नहीं हो रहा था। चुनाव के दौरान ग्रामीणों ने सार्वजनिक तौर पर अपने स्तर पर यह निर्माण करने का निर्णय लिया होगा। ये वन विभाग की जमीन पर सड़क बन रही थी। ये मुख्य रास्ता होता तो लोग पंचायत के मार्फत या व्यक्तिगत स्तर पर डायवर्जन के प्रस्ताव भिजवाते तो यह हादसा ही नहीं होता। हादसे के कारणों की जांच चल रही है। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

धार्मिक स्थान पर रास्ता जाने के सवाल पर मंत्री ने कहा-इस देश में सबसे बड़ी समस्या ये है कि नियमों के हिसाब से कोई नहीं चलना चाहता है। सालों पुराना रास्ता है तो प्रस्ताव जाता तो कभी भी डायवर्जन हो सकता था। रास्ता सरकार के स्तर पर भी बन सकता था।

पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने कहा- मरने वाले लोग बहुत गरीब परिवार से हैं। ये पॉइंट हादसों का है। यहां 7-8 लोग हर साल मर जाते हैं। मेरी मुख्यमंत्री से बात हुई है। मंत्री झाबर सिंह खर्रा भी यहां आए हैं। कलेक्टर-एसपी भी मौजूद है। मेरी सरकार से विनती है कि नियमों से हटकर कम से कम प्रति परिवार को 20 से 25 लाख रुपए दिए जाने चाहिए।

चोट से ठीक नहीं हो सके ■ 4 नवंबर से शुरू होगी पांच मैचों की सीरीज

न्यूजीलैंड के मार्क चैपमैन रचिन रवींद्र वनडे सीरीज से हुए बाहर

खेल

■ मैट फिशिर शुरुआती 3 वनडे के लिए टीम

नई दिल्ली, एजेंसी

न्यूजीलैंड के मार्क चैपमैन और रचिन रवींद्र भारत के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने बताया कि दोनों खिलाड़ी चोटों से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं।

चैपमैन बाएं हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझ रहे हैं। जबकि प्रमोशनल शूट के दौरान रचिन रवींद्र का दायां कंधा डिसलोकेट हो गया था। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज 4 नवंबर से ऑकलैंड में शुरू होगी।

मुख्य कोच रॉब वॉल्टर ने कहा, 'हर कोई जानता है कि मार्क और रचिन इस टीम के लिए कितने अहम हैं। उनका इस सीरीज में नहीं खेलना दुखद है।' उन्होंने कहा, 'मैं पिछले हफ्ते मार्क से मिला था। वह निराश हैं, लेकिन मैदान पर लौटने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।' रॉब वॉल्टर ने कहा, 'रचिन का कंधा अभी उस स्थिति में पूरी तरह नहीं आया है, जिसमें वह सफेद गेंद की क्रिकेट में आराम से फील्डिंग कर सकें।'

उन्होंने कहा, 'इस महीने के आखिर में टेस्ट सीरीज भी है। इसलिए हम कोई अनावश्यक जोखिम नहीं लेना चाहते।' तेज गेंदबाज मैट फिशर भी पहले तीन मैचों के लिए टीम में शामिल किए गए हैं। उन्हें शुरुआत में केवल आखिरी दो मैचों के लिए चुना गया था।

मैट हेनरी दाएं क्वाड्रिसेप में मामूली चोट के कारण आखिरी तीन T20I नहीं खेल पाए थे। वह सोमवार, 2 नवंबर को टीम से जुड़ेंगे। उनकी खेलने की तैयारी का आकलन किया जाएगा।

भारत के खिलाफ पहले तीन ओडीआई के लिए न्यूजीलैंड टीम

मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, मैट फिशर, हेनरी, काइल जेमीसन, टॉम लैथम (विकेटकीपर), डैरिल मिचेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स, टिम सीफर्ट, नाथन स्मिथ, विल यंग और ब्लेयर टिकनर।

आखिरी दो ओडीआई के लिए न्यूजीलैंड टीम

मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, क्रिस्टियन क्लार्क, जैकब डफी, मैट फिशर, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, लॉकी फर्ग्यूसन, मिचेल हे (विकेटकीपर), निक केली, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), ब्लेयर टिकनर और विल यंग।

न्यूजीलैंड टीम में बदलाव किए, निकोल्स-फॉक्सक्रॉफ्ट को बुलाया

विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सीफर्ट को पहले तीन ODI के लिए टीम में शामिल किया गया है। उन्हें सीरीज के आखिरी दो मैचों के लिए पहले ही चुना गया था। बाएं हाथ के बल्लेबाज हेनरी निकोल्स और ऑलराउंडर डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को भी टीम में बुलाया गया है। निकोल्स पहले तीन ODI के लिए टीम में रहेंगे। फॉक्सक्रॉफ्ट आखिरी दो मैचों के लिए टीम से जुड़ेंगे।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी- भारतीय हॉकी टीम ने मलेशिया को हराया

कप्तान हरमनप्रीत की हैट्रिक, 4-2 से जीते

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय हॉकी टीम ने एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में मलेशिया को 4-2 से हरा दिया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने हैट्रिक लगाई। उन्होंने 3 पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किए।

मुकाबला जालंधर के ओलिंपियन सुरजीत सिंह स्टेडियम में खेला गया। इस जीत के साथ भारतीय टीम टूर्नामेंट में अजेय अभियान बरकरार रखा है। भारत अपने चारों मुकाबले जीतकर पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर है।

टूर्नामेंट की 4 सेमीफाइनल टीमें पहले ही तय हो चुकी है। इनमें भारत, मलेशिया, जापान और साउथ कोरिया है। हरमनप्रीत ने तीसरे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। मलेशिया ने भी अच्छी चुनौती दी और हाफ टाइम तक स्कोर 1-1 कर दिया। दूसरे हाफ में भारत ने फिर आक्रामक खेल दिखाया। हरमनप्रीत ने 33वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर दूसरा गोल किया। इसके बाद सुखजीत सिंह ने 43वें मिनट में गोल कर भारत की बढ़त 3-1 कर दी।

58वें मिनट में हरमनप्रीत ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर अपनी हैट्रिक पूरी की। मलेशिया के लिए शेलो सिल्वरियस ने आखिरी मिनट में गोल किया। हालांकि, तब तक भारत की जीत तय हो चुकी थी।

एशियन गेम्स के फाइनल में भी भारत और मलेशिया आमने-सामने थे। इस बार मलेशियाई टीम ने बेहतर डिफेंस दिखाया और भारतीय खिलाड़ियों के पासिंग मूव्स को रोकने की कोशिश की।

20 साल के किमी एंटोनेली यंगेस्ट फॉर्मूला-1 वर्ल्ड चैंपियन बने

वेटल के 16 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा, 73 साल बाद इटली को मिला चैंपियन

नई दिल्ली, एजेंसी

मर्सिडीज के ड्राइवर किमी एंटोनेली 20 साल की उम्र में फॉर्मूला-1 के सबसे युवा वर्ल्ड चैंपियन बन गए हैं। उन्होंने रविवार को मैक्सिको सिटी ग्रां प्री में तीसरा स्थान हासिल कर 16 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। इससे पहले, जर्मनी के सेबेस्टियन वेटल ने 2010 में 23 साल और 133 दिन की उम्र में अपना पहला F1 वर्ल्ड टाइटल जीता था। वे 1953 के बाद F1 चैंपियन बनने वाले इटली के पहले ड्राइवर भी हैं। एंटोनेली ने अपने दूसरे ही सीजन में यह खिताब जीता और चार रेस बाकी रहते चैंपियनशिप अपने नाम कर ली।

एंटोनेली ने अपने दूसरे ही सीजन में यह कारनामा कर दिखाया। वे चार रेस बाकी रहते ही चैंपियन बन गए। मैक्सिको सिटी ग्रां प्री में एंटोनेली तीसरे स्थान पर रहे। मैक्स वेरस्टैपेन ने रेस जीती, जबकि लुईस हैमिल्टन दूसरे स्थान पर रहे। चैंपियन बनने के बाद एंटोनेली अपनी भावनाएं नहीं रोक सके। उन्होंने टीम से कहा, 'हमने कर दिखाया, हमने कर दिखाया। पोडियम पर भी उनकी आंखों में आंसू थे।

एंटोनेली का इस सीजन में प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने जापान ग्रां प्री के बाद ड्राइवर चैंपियनशिप में बढ़त बनाई थी। इसके बाद पहले 6 में से 5 रेस जीतीं। मैक्सिको पहुंचने तक उनके नाम 9 ग्रां प्री जीत थीं।

उनके सीजन का सबसे यादगार प्रदर्शन इटली के मोन्जा में आया। यहां उन्होंने 19वें नंबर से शुरुआत करने के बावजूद रेस जीती।

लुईस हैमिल्टन के 2025 सीजन से पहले फेरारी जाने के फैसले के बाद मर्सिडीज को नए ड्राइवर की तलाश थी। टीम प्रिंसिपल टोटो वोल्फ ने अनुभवी ड्राइवर के बजाय युवा एंटोनेली पर भरोसा जताया। तब उनकी उम्र सिर्फ 18 साल थी।

एंटोनेली ने 2025 में अपने डेब्यू सीजन में 150 पॉइंट्स हासिल किए और ड्राइवर चैंपियनशिप में सातवें स्थान पर रहे। उन्होंने तीन पोडियम भी हासिल किए थे।

8.1 ओवर में 80 रन का टारगेट हासिल किया, नूर अहमद ने झटके 5 विकेट

अफगानिस्तान ने जिम्बाब्वे को सात विकेट से हराया

शारजाह, एजेंसी

अफगानिस्तान ने शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए तीसरे टी-20 में जिम्बाब्वे को 7 विकेट से हरा दिया। जिम्बाब्वे की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 14.3 ओवर में सिर्फ 79 रन पर सिमट गई।

जवाब में अफगानिस्तान ने 80 रन का लक्ष्य 8.1 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। स्पिनर नूर अहमद ने 3.3 ओवर में 13 रन देकर 5 विकेट लिए।

शुरुआती झटकों के बाद रयान बर्ल ने पारी को संभालने की कोशिश की। उन्होंने 29 गेंदों पर 30 रन बनाए। इस दौरान 5 चौके लगाए। वेस्ली मधेवेरे ने भी 17 गेंदों पर 10 रन का योगदान दिया।

दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 43 रन की साझेदारी हुई। यह जिम्बाब्वे की पारी की सबसे बड़ी साझेदारी रही। लेकिन 56 रन के स्कोर पर बर्ल LBW आउट हो गए। उन्हें अब्दुल्लाह अहमदजई ने पवेलियन भेजा।

80 रन का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत तेज रही। मोहम्मद अकरम ने पहले ओवर में लगातार तीन चौके लगाए। हालांकि, ब्लेसिंग मुजरबानी ने उन्हें चौथी गेंद पर आउट कर दिया। अकरम ने 5 गेंदों पर 14 रन बनाए।

इसके बाद सेदीकुल्लाह अटल ने इब्राहिम जादरान के साथ पारी आगे बढ़ाई। अटल ने 14 गेंदों पर 20 रन बनाए, जिसमें 2 चौके और एक छक्का शामिल था। वह अर्नेस्ट मसुकू की गेंद पर वेस्ली मधेवेरे को कैच दे बैठे।

नूर अहमद ने वेस्ली मधेवेरे को पवेलियन भेजा।

जिम्बाब्वे की शुरुआत खराब

टॉस जीतकर अफगानिस्तान ने पहले गेंदबाजी चुनी। पहले ओवर में फजलहक फारूकी ने इनोसेंट काइया को आउट किया। काइया 4 गेंदों पर 5 रन बनाकर नूर उल रहमान को कैच दे बैठे। इसके बाद अजमतुल्लाह उमरजई ने ब्रायन बेनेट को पवेलियन भेज दिया। बेनेट 3 गेंदों पर 2 रन ही बना सके। इस तरह जिम्बाब्वे ने 8 रन पर दो विकेट गंवा दिए।

कप्तान सिकंदर रजा भी ज्यादा देर नहीं टिक सके। वह 8 गेंदों पर 2 रन बनाकर अब्दुल्लाह तराखैल की गेंद पर इब्राहिम जादरान को कैच दे बैठे। 13 रन तक टीम के तीन बल्लेबाज आउट हो चुके थे।

अफगानिस्तान के स्पिनर नूर अहमद ने वेस्ली मधेवेरे, तदिवानाशे मारुमानी, तफाजवा त्सिगा, न्यूमैन न्यामहुरी और अर्नेस्ट मसुकू को आउट किया। अब्दुल्लाह तराखैल ने 2 विकेट लिए। अजमतुल्लाह उमरजई, फजलहक फारूकी और अब्दुल्लाह अहमदजई को एक-एक सफलता मिली।

मनोरंजन

अफेयर की खबर छापने वाले को कहा- काट डालूंगा, मन्नत पर पत्थर फेंके जाने पर बेटी सुहाना रोई तो दी धमकी, गुस्से के किस्से

61 के हुए शाहरुख खान

मई 2008 में पंचगनी के एक फार्महाउस से आमिर खान ने ब्लॉग लिखा- शाहरुख मेरे पैर चाट रहा है और मैं बीच-बीच में उसे बिस्किट खिला रहा हूं। इससे ज्यादा और क्या मांग सकता हूं?

आमिर के ब्लॉग की जमकर आलोचना हुई। कुछ महीनों बाद 25 दिसंबर 2009 को आमिर की फिल्म 3 इडियट्स रिलीज होनी थी और कुछ दिनों बाद 12 फरवरी 2010 में शाहरुख की फिल्म माय नेम इज खान। आमिर फिल्म के प्रमोशन के लिए हुलिया बदलकर पब्लिक प्लेस में जा रहे थे। वहीं शाहरुख भी प्रमोशन में व्यस्त थे। एक इवेंट में शाहरुख से आमिर के गेटअप बदलकर प्रमोशन करने पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा- ये शब्द इस्तेमाल करने के लिए माफी, लेकिन ये छिछोरापन है। मुझे नहीं लगता कि एक लेवल पर आकर फिल्ममेकर्स या हम फिल्म की पब्लिसिटी के लिए ये छिछोरापन करेंगे।

मुंबई। बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान।

पर्दे पर कभी मोहब्बत के लिए दुनिया से लड़ते दिखे, तो कभी दुश्मनों के छक्के छुड़ाते। लेकिन जब बात परिवार, आत्मसम्मान, काम और इज्जत की हो, तो शाहरुख ऑफ कैमरा भी कई बार एक्शन कर चुके हैं। एक बार तो शाहरुख को-एक्ट्रेस से शारीरिक संबंध बनाने की बात छापने वाले पत्रकार को मारने तलवार लेकर पहुंच गए थे। वहीं एक बार यूनिट की लड़कियों को छेड़ने वालों की लाठी से पिटाई की थी। शाहरुख ने 1992 की फिल्म दीवाना से बॉलीवुड डेब्यू किया था। कुछ समय बाद उन्होंने दीपा सेन के साथ फिल्म माया मेमसाब (1993) की शूटिंग शुरू की। तभी एक मैगजीन ने कवर पेज पर शाहरुख की तस्वीर के साथ लिखा गया कि शूटिंग में हीरोइन के साथ सहज महसूस करने के लिए उन्होंने उनके साथ शारीरिक संबंध बनाए हैं। शाहरुख ने गालियों की बौछार कर दी और धमकी दी। उसी शाम शाहरुख, शादी में आर्मी ऑफिसर ससुर से घुड़चढ़ाई में मिली तलवार लेकर मैगजीन के रिपोर्टर के घर पहुंच गए, जहां पार्टी चल रही थी। उन्होंने उस रिपोर्टर की टांगों के बीच में तलवार अड़ा दी। गाली-गलौज हुई और शाहरुख ने उसके पेरेंट्स से कहा- 'मैं इसे काट डालूंगा।'शाहरुख ने सीधे बखेड़ा खड़ा कर, जमकर मारपीट की और गालियां बरसाईं। उन्होंने धमकी दी कि दोबारा ऐसा हुआ, तो वो सबको जिंदा गाड़ देंगे।

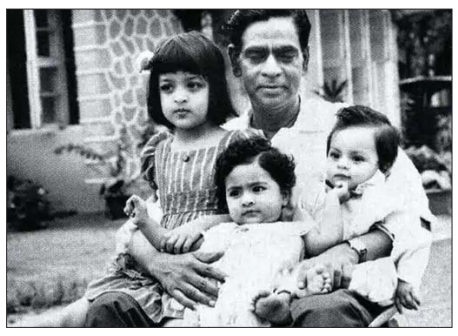

अगले दिन शाहरुख फिल्म कभी हां कभी ना की शूटिंग करने गए। सेट पर पुलिस आई, शाहरुख को लगा फैन हैं। कुछ तस्वीरें क्लिक करने के बाद पुलिस ने कहा- 'आपको स्टेशन बुलाया गया है।' शाहरुख को लगा कोई अफसर उनसे मिलना चाहता है। वो स्टाइल में पुलिस स्टेशन गए। जैसे ही वो कुर्सी पर बैठने को हुए, अफसर ने तेज आवाज में कहा- 'बैठने की जरुरत नहीं है। तुम्हारे खिलाफ शिकायत मिली है।'

अंडरवर्ल्ड की धमकी मिली, तो जवाब में कहा- पठान हूं

90 के दशक में बॉलीवुड में अंडरवर्ल्ड का हस्तक्षेप बढ़ने लगा। कई प्रोड्यूसर्स से प्रोटेक्शन मनी के नाम पर लाखों वसूले जाते, तो कई हीरो-हीरोइन पर कुछ प्रोड्यूसर की फिल्में करने का दबाव बनाया जा रहा था। बात न मानने वालों को जान से मारने की धमकी दी जाती। ऐसे ही प्रोड्यूसर गुलशन कुमार की हत्या कर दी गई और राजीव राय को धमकाया गया। राकेश रोशन पर भी हमला हुआ। एक दिन शाहरुख खान फिल्म दिल तो पागल है की शूटिंग कर रहे थे, तभी उनके पास अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के गुर्गे अबू सलेम का कॉल आया। उन पर एक प्रोड्यूसर की फिल्म करने का दबाव बनाया गया। शाहरुख ने पहले बड़ी विनम्रता से कहा कि वह पहले ही कई फिल्मों में बिजी हैं, ऐसे में कोई नई फिल्म नहीं कर पाएंगे। लेकिन कॉल पर उन्हें धमकियां दी जाने लगीं। कहा गया- 'मैं तुम्हारे पास एक आदमी भेज रहा हूं, तुम्हें अपनी जान की परवाह है तो फिल्म कर लेना।'

लड़कियों को छेड़ने वाले लड़कों की कर दी पिटाई

शाहरुख खान, सलमान खान राजस्थान में फिल्म करण अर्जुन की शूटिंग कर रहे थे। एक दिन गाने की शूटिंग हुई, जिसमें कोरियोग्राफर चिन्नी प्रकाश की टीम की कई लड़कियां भी शामिल हुईं। शूटिंग के बीच गांव के कुछ लड़के आकर बदतमीजी करने लगे। पहले तो टीम ने लड़कों को समझाकर भगाने की कोशिश की, लेकिन जब वो लगातार बदतमीजी करते रहे, तो शाहरुख ने लाठी से उन लड़कों की पिटाई कर दी। सेट के लोग डर गए कि कहीं वो लड़के हंगामा न खड़ा कर दें। इस वजह से उन लड़कियों को हड़बड़ी में सेट से होटल तक सुरक्षित पहुंचाया गया था।

मन्नत पर पत्थर फेंके जाने पर बेटी सुहाना रोई, तो दे डाली धमकी

साल 2007 में शाहरुख खान ने सैफ अली खान के साथ आईफा अवॉर्ड होस्ट किया। होस्टिंग के बीच शाहरुख ने समाजवादी पार्टी के नेता अमर सिंह का मजाक बनाते हुए कहा था कि उनकी आंखों में दरिंदगी दिखती है। तब सभी जोर-जोर से हंस पड़े, लेकिन शो टेलीकास्ट होने के बाद सपा नेता के सपोर्टर्स शाहरुख को धमकियां देने लगे। 5 मार्च 2007 को शाहरुख खान के घर मन्नत के बाहर हंगामा किया गया, पत्थर फेंके गए। शाहरुख खान, शूटिंग पर थे और पत्नी गौरी खान किसी काम से घर से बाहर गई हुई थीं, बच्चे घर में ही थे। जब भीड़ ने नारेबाजी करते हुए घर में पत्थर मारे तो शाहरुख की बेटी सुहाना खान जोर-जोर से रोने लगीं। तब वो 6 साल की थीं। बड़े बेटे आर्यन भी रो रहे थे और शाहरुख की बहन की तबीयत खराब थी। घर से कॉल आते ही शाहरुख ने शूटिंग कैंसिल की और पुलिस को खबर थी। जल्द ही पुलिस ने भीड़ पर काबू पा लिया। शाहरुख भी तुरंत बच्चों के पास पहुंचे। शाहरुख इस इंसिडेंट से काफी नाराज हुए। कुछ दिनों बाद मिड-डे को दिए इंटरव्यू में शाहरुख ने कहा, मुझे अपना शूट कैंसिल कर घर भागना पड़ा था, क्योंकि मेरी 6 साल की बेटी सुहाना रो रही थी। मेरे घर के बाहर लोग हल्ला कर रहे थे, चिल्ला रहे थे। मेरा बेटा आर्यन डरा हुआ था कि कहीं कोई पत्थर न फेंक दे। अगर आप ये कहकर मुझे डराना चाहते हो कि मुझे नुकसान पहुंचाओगे, तो मैं डर जाऊंगा, क्योंकि मेरे न रहने के बाद मेरे बच्चों को कौन देखेगा। अगर मुझे नुकसान पहुंचाओगे, तो मैं अपने बारे में नहीं सोचूंगा।

आगे शाहरुख ने कहा, मैं एक पठान हूं और अपने परिवार को लेकर बहुत प्रोटेक्टिव हूं। अगर मैं पुलिस के आने से पहले आ जाता, तो मैंने अपनी बेटी को रुलाने वाले उन सभी लोगों को रुला दिया होता। ये एक पठान का वादा है, मैंने उन्हें बख्शा नहीं होता। 17 मई 2012 में शाहरुख परिवार समेत करीब 40 बच्चों को मैच दिखाने ले गए। उस दिन शाहरुख की IPL टीम किंग नाइट राइडर का मैच चेन्नई सुपर किंग से था। सुहाना और आर्यन दूसरे बच्चों के साथ एक तरफ खड़े थे, तभी सिक्योरिटी गार्ड ने आकर उनसे बदसलूकी कर दी। वो बच्चों को वहां से भद्दी भाषा में हटा रहा था। शाहरुख वहां मौजूद नहीं थे, लेकिन जैसे ही उन्हें पता चला तो वो आपा खोते हुए उस गार्ड को मारने पहुंच गए। जमकर हंगामा और मारपीट हुई। नतीजतन मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने शाहरुख की वानखेड़े स्टेडियम में एंट्री पर 5 साल का बैन लगा दिया। शाहरुख घर लौटे, तो गौरी और बच्चे उनके रवैये पर नाराज थे। बेटे आर्यन ने साफ कहा कि उन्हें मारपीट नहीं करनी चाहिए थी। जब शाहरुख ने कहा कि वो बच्चों को गाली दे रहा था, तो सुहाना ने भी कहा- ये इतनी बड़ी बात नहीं थी कि आप इतना गुस्सा हो जाओ। आप एक बड़े स्टार हो। आपको तमीज से पेश आना चाहिए। शाहरुख ने आप की अदालत में इस मुद्दे पर बात की और अपने रवैये पर देश की जनता से भी माफी मांगी।

पायलट बोला- तेजी से नीचे गिर रहे, जमीन से टकराने वाले हैं, वक्त नहीं बचा

अमेरिका में प्लेन क्रैश, 9 की मौत

दुर्घटना

फ्लोरिडा, एजेंसी

अमेरिका के फ्लोरिडा में रविवार को एक बिजनेस जेट क्रैश हो गया। हादसे में विमान में सवार सभी 9 लोगों की मौत हो गई। AFP के मुताबिक, विमान टेक्सास से बहामास जा रहा था।

हादसे से कुछ देर पहले पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को कहा, 'विमान तेजी से नीचे गिर रहा है, हम जमीन से टकराने वाले है। अब वक्त नहीं बचा।'

इसके कुछ ही देर बाद विमान सड़क के पास जमीन से टकरा गया। टक्कर होते ही जोरदार धमाका हुआ जमीन पर बड़ा गड्ढा बन गया और आसपास के इलाके में आग फैल गई। हादसे की जगह राष्ट्रपति ट्रम्प के मार-ए-लागो आवास से करीब 14 किलोमीटर दूर है।

लोग क्रैश साइट के पास इकट्ठा हो गए। कई लोगों ने आग और धुएं का वीडियो बनाया।

हादसा रिहायशी इलाके में हुआ था। फ्लोरिडा के अधिकारियों के मुताबिक, विमान के मलबे और हादसे के असर के कारण करीब 600 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया। उनके लिए दो शेल्टर बनाए गए। एविएशन इंडस्ट्री की वेबसाइट एविएशन इंटरनेशनल न्यूज के मुताबिक, हादसे का शिकार विमान साल 2004 में बना था। यानी हादसे के समय यह करीब 22 साल पुराना था।इस दौरान इलाके में भारी बारिश और गरज-चमक के साथ तूफान भी था। हालांकि, अभी यह साबित नहीं हुआ है कि खराब मौसम ही हादसे की वजह था। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि विमान क्रैश से पहले बिजली की लाइन से टकराया था। अधिकारियों ने इस दावे की पुष्टि नहीं की है।

क्रैश से पहले पायलट ने 'मेडे' कॉल दी थी

एयर ट्रैफिक कंट्रोलर और पायलट के बीच बातचीत की रिकॉर्डिंग सामने आई है। इसमें पायलट ने बताया कि मौसम खराब हो रहा है। विमान में बर्फ जम रही है और तेज झटके लग रहे हैं।

हालात बिगड़ने पर पायलट ने 2 हजार फीट और ऊंचाई पर जाने की अनुमति मांगी। इसी दौरान विमान तेजी से नीचे गिरने लगा। स्थिति बिगड़ती देख पायलट ने इमरजेंसी घोषित कर दी। पायलट ने रेडियो पर कहा, हम 8 हजार फीट नीचे जा रहे हैं... मेडे, मेडे... हम 10 हजार फीट प्रति मिनट की रफ्तार से नीचे गिर रहे हैं। हम जमीन से टकराने वाले हैं

30 हजार फीट/मिनट की रफ्तार से नीचे गिरा विमान

विमान हादसे से पहले 35 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। नीचे गिरते समय विमान की अधिकतम रफ्तार 30 हजार फीट प्रति मिनट तक पहुंच गई। अमेरिकी परिवहन मंत्री सीन डफी ने बताया कि यह हादसा दोपहर 12 बजकर 50 मिनट पर हुआ। उन्होंने इसे बेहद दर्दनाक हादसा बताया। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (FAA) जांच में मदद के लिए अपनी टीम भेज रहा है। यह टीम नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (NTSB) के साथ मिलकर हादसे की जांच करेगी।

प्लेन के गिरने के बाद सड़क का बड़ा हिस्सा धंस गया और वहां आग लग गई।

सोना आज 2282 सस्ता 1.38 लाख पर आया

चांदी 1264 घटकर 1.80 लाख/किलो बिक रही

नई दिल्ली, एजेंसी

दिवाली से पहले सोने-चांदी के दाम में गिरावट जारी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, आज 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,282 रुपए गिरकर 1.38 लाख रुपए आ गया है। वहीं एक किलो चांदी 1,264 रुपए घटकर 1.80 लाख रुपए पर आ गई है। शुक्रवार को सोना 1.40 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 1.81 लाख रुपए किलो बिक रही थी। अक्टूबर में सोना 8,084 रुपए और चांदी 39,485 रुपए सस्ती हुई है। एक अक्टूबर 2026 को एक किलो चांदी के दाम 2.20 लाख रुपए और 10 ग्राम सोना 1.48 लाख रुपए पर थे।

सोना-चांदी की कीमत में गिरावट अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर मजबूत होने और बड़े निवेशकों के ऊंचे दामों पर बिकवाली करने से हो रही है।

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया मानते हैं कि सोने-चांदी की खरीदारी किश्तों में करें। कुछ अभी खरीद लें और कुछ-कुछ 15-20 दिन के अंतराल पर। निवेश के लिए एक-दो महीने के बजाय 6 महीने से लेकर एक साल तक सोच कर खरीदारी करें। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। चांदी की कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक चांदी 2.06 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

फास्ट न्यूज

5000 टन वजनी मशीनों का दंभ भर रहा चीन

नई दिल्ली। रेयर अर्थ मिनरल्स पर निर्यात कंट्रोल के बाद अब चीन निर्माण मशीनरी के निर्यात पर भी कड़े नियम लागू कर रहा है। इनमें सुरंग खोदने वाली बड़ी टनल बोरिंग मशीनें भी शामिल हैं। दुनिया भर में इन मशीनों का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक चीन ही है। भारत अपनी सड़क, रेलवे और मेट्रो परियोजनाओं के लिए इन मशीनों पर काफी हद तक निर्भर रहता है।

सेंसेक्स 1233 अंक चढ़कर 75,693 पर बंद

मुंबई । शेयर बाजार में आज यानी 2 नवंबर को तेजी रही। सेंसेक्स 1,233 अंक की तेजी के साथ 75,693 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 388 अंक की तेजी रही, ये 23,440 पर बंद हुआ। बाजार में इस तेजी कारण यह है कि रिलायंस का शेयर 12% चढ़कर 1300 पहुंच गया है। इस तेजी के चलते रिलायंस का मार्केट कैप 17.59 लाख करोड़ रुपए हो गया है। लंबे समय से बिकवाली कर रहे विदेशी निवेशकों (FIIs) ने बुधवार को 871.83 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। वहीं घरेलू निवेशकों (DIIs) ने भी 643.35 करोड़ रुपए का निवेश किया। इस खरीदारी से बाजार को मजबूत सहारा मिला।

विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में भारतीय-बाजार से 34,843 करोड़ निकाले

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPIs) की बिकवाली का सिलसिला अक्टूबर के महीने में भी जारी रहा। अक्टूबर में FPIs ने भारतीय इक्विटी बाजार से कुल 34,843 करोड़ निकाल लिए हैं। यह लगातार दूसरा महीना है जब विदेशी निवेशकों ने बाजार में भारी बिकवाली की है।

नेशनल पार्क में फंसे 6 भारतीय पर्यटक निकाले गए सुरक्षित

हेलीकॉप्टर की मदद से हुआ रेस्क्यू

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल के शे-फोक्सुंडो नेशनल पार्क इलाके में भारी बर्फबारी के कारण फंसे छह भारतीय पर्यटकों को सोमवार को बचा लिया गया। बर्फबारी की वजह से ये एक नवंबर से संपर्क से बाहर थे। इनमें दो महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। डोल्पा के जिला पुलिस कार्यालय के प्रवक्ता बिनय सिंह ने बताया कि सोमवार सुबह निजी हेलीकॉप्टर की मदद से उन्हें सुरक्षित निकाला गया। सभी का इलाज ड्यून स्थित सरकारी अस्पताल में चल रहा है और अब वे खतरे से बाहर हैं।

ये पर्यटक काठमांडू से 300 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित शे-फोक्सुंडो ग्रामीण नगरपालिका के धो इलाके में गए थे। यह पूरा इलाका भारी बर्फ से ढका हुआ था।

रविवार को सेना का हेलीकॉप्टर इन्हें बचाने के लिए उस इलाके में गया था, लेकिन खराब मौसम के कारण वह उतर नहीं सका और बचाव अभियान को रोकना पड़ा था।

अमेरिका-इजराइल की मदद का आरोप, 3 महीने पहले ब्रिटेन ने आईआरजीसी को आतंकी संगठन बताया था

ईरान ने ब्रिटिश नौसेना वायुसेना को आतंकी घोषित किया

तेल अवीव, एजेंसी

ईरान ने ब्रिटेन की नौसेना और वायुसेना को आतंकी संगठन घोषित कर दिया है। साथ ही उसकी खुफिया एजेंसी MI6 को दुश्मन समूह बताया है। ईरानी विदेश मंत्रालय ने रविवार को इसकी घोषणा की।

ईरान ने आरोप लगाया कि ब्रिटेन ने अमेरिका और इजराइल को उसके खिलाफ जंग में मदद दी थी। इसके लिए सैन्य ठिकाने और दूसरी सुविधाएं भी मुहैया कराई थीं।

इसके पहले ब्रिटेन ने 13 जुलाई को ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) को आतंकी संगठन बताते हुए उस पर सख्त प्रतिबंध लगाए थे। इसके तहत ब्रिटेन में IRGC की मदद करने या उसका समर्थन करने पर 14 साल तक की जेल हो सकती है। ईरान ने ब्रिटेन के इसी फैसले के खिलाफ कार्रवाई की है।

ईरानी सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद अकरमिनिया ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि अगर उसने दोबारा हमला किया तो जंग सिर्फ पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका के किसी भी हमले का तुरंत और पहले से ज्यादा बड़ा जवाब दिया जाएगा। अगली जंग पहले के मुकाबले लंबी भी चल सकती है।

तेल बेचने की छूट बहाल हो

ईरान चाहता है कि अमेरिका उसे तेल बेचने की पहले जैसी छूट दे। आर्थिक प्रतिबंध हटे ईरान पर लगे अमेरिकी प्रतिबंध खत्म किए जाएं, ताकि उसकी अर्थव्यवस्था को राहत मिले।

अमेरिका ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए ब्रिटेन के RAF फेयरफोर्ड एयरबेस का इस्तेमाल किया था। (फाइल फोटो)

ईरान की चेतावनी- नतीजों के लिए ब्रिटेन जिम्मेदार होगा

ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि ब्रिटेन के खिलाफ ये कदम देश की सुरक्षा के लिए उठाया गया है। मंत्रालय ने चेतावनी दी कि इस फैसले के बाद जो भी नतीजे होंगे, उनकी जिम्मेदारी ब्रिटेन सरकार की होगी। दरअसल, मार्च 2026 में ब्रिटेन ने अमेरिका को अपने दो सैन्य ठिकानों- RAF फेयरफोर्ड और डिएगो गार्सिया के इस्तेमाल की परमिशन दी थी। इन ठिकानों से अमेरिका ईरान के मिसाइल ठिकानों पर हमले कर सकता था। ब्रिटेन ने इस फैसले को अपने सहयोगी देशों की सुरक्षा के लिए जरूरी बताया था। वहीं, ईरान ने इसे अमेरिका की सैन्य कार्रवाई में ब्रिटेन का साथ देना माना।

अरब पार्टियों के विपक्ष को मिले समर्थन से डरे, चुनाव में किसी दल को बहुमत नहीं

रिपोर्ट : नेतन्याहू आइजनकोट के साथ सरकार बनाने को तैयार

तेल अवीव, एजेंसी

इजराइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू विपक्षी नेता गादी आइजेनकोट के साथ मिलकर सरकार बनाने तैयार हैं। इजराइली मीडिया i24 न्यूज के मुताबिक, नेतन्याहू को चिंता है कि आइजेनकोट अरब पार्टियों के समर्थन से वैकल्पिक सरकार बना सकते हैं। इससे नेतन्याहू को सत्ता छोड़नी पड़ सकती है।

यही वजह है कि नेतन्याहू ने आइजेनकोट के साथ गठबंधन की संभावना को खारिज नहीं किया है। हालांकि, आइजेनकोट ने अब तक इस प्रस्ताव पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। दरअसल, जॉइंट लिस्ट और राअम जैसी अरब पार्टियों ने रविवार को आइजनकोट को समर्थन देने का ऐलान किया था। इस समर्थन के बाद आइजनकोट को 67 सांसदों का साथ मिलने की संभावना है। इजराइल में 27 अक्टूबर को हुए चुनाव में किसी भी गठबंधन को बहुमत नहीं मिला था। 120 सदस्यों वाली संसद में बहुमत के लिए 61 सीटों की जरूरत है। नेतन्याहू के समर्थन वाले गठबंधन को 53, आइजनकोट के विपक्षी गठबंधन को 48 और अरब पार्टियों को 19 सीटें मिली हैं। पार्टियों का समर्थन जुटाना होगा, जो सरकार में शामिल हुए बिना संसद में उनके पक्ष में वोट करें या अहम मौकों पर विरोध न करें।

अगर नेतन्याहू और आइजेनकोट, दोनों में से कोई भी 61 सांसदों का समर्थन जुटाने में नाकाम रहता है तो इजराइल में दोबारा चुनाव कराने की नौबत आ सकती है।

हालांकि, अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि दोबारा चुनाव निश्चित हैं। दोनों गठबंधनों के पास बातचीत और दूसरे दलों का समर्थन जुटाने के विकल्प मौजूद हैं।

सबसे पहले संसद के स्पीकर को हटाने की तैयारी

विपक्षी गठबंधन की शुरुआती योजना संसद के स्पीकर आमिर ओहाना को उनके पद से हटाने की है। ओहाना नेतन्याहू की लिकुड पार्टी के नेता हैं।

विपक्ष संसद के कामकाज पर अपना नियंत्रण चाहता है, ताकि कई अहम विधेयक पास कराए जा सकें।

इनमें 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले को रोकने में हुई नाकामी की जांच के लिए एक स्वतंत्र सरकारी जांच आयोग बनाने का प्रस्ताव भी शामिल है। हालांकि, नए स्पीकर के नाम को लेकर विपक्षी दलों के बीच अभी सहमति नहीं बन पाई है। इस पद को लेकर विवाद इसलिए भी अहम है, क्योंकि एक बार नया स्पीकर चुने जाने के बाद उसे हटाना बेहद मुश्किल होगा।

महंगाई और दुनिया का तनाव बेअसर, अक्टूबर में जमकर खरीदारी

जीएसटी कलेक्शन 23% बढ़ा, कार बिक्री में 13 से 14% की बढ़ोतरी हुई

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में महंगाई, ऊंची ब्याज दरों और दुनिया में चल रहे तनाव के बावजूद लोगों ने अक्टूबर में जमकर खरीदारी की। त्योहारी सीजन में बाजार में रौनक रही। इसका असर GST कलेक्शन, कारों की बिक्री, डिजिटल पेमेंट और बिजली की खपत के आंकड़ों में भी दिखा।

अक्टूबर में देश का GST कलेक्शन पिछले साल के मुकाबले 22.9% बढ़कर 2.31 लाख करोड़ रुपए हो गया। पिछले साल इसी महीने यह करीब 1.88 लाख करोड़ रुपए था। यह बढ़ोतरी बताती है कि त्योहारी सीजन में बाजार में खरीदारी अच्छी रही।

अक्टूबर में देश में 5.25 से 5.30 लाख कारें बिकीं। यह एक महीने में अब तक की सबसे ज्यादा बिक्री है। पिछले साल अक्टूबर में करीब 4.65 लाख कारें बिकी थीं। इस बार बिक्री में 13 से 14% की बढ़ोतरी हुई। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की बिक्री भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। अक्टूबर में 2.24 लाख इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बिके। वाहन पोर्टल (VAHAN) के मुताबिक, यह अब तक का सबसे बड़ा मासिक आंकड़ा है। डिजिटल पेमेंट में भी नया रिकॉर्ड बना। अक्टूबर में UPI के जरिए 25.47 अरब यानी 2,547 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए। यह पिछले साल के मुकाबले 23% ज्यादा है। इन ट्रांजैक्शन के जरिए कुल 31.53 लाख करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ, जो सालाना आधार पर 16% ज्यादा है। पहली बार UPI से रोजाना औसतन 1 लाख करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ।

बढ़ोतरी : फ्रांस की हिंसक प्रदर्शनों में 66% हिस्सेदारी, 1 महीने में 8 देशों में आंदोलन

यूरोप में इस साल 22 हजार प्रदर्शन हुए

ब्रुसेल्स, एजेंसी

यूरोप में महंगाई, बेरोजगारी और सरकारी नीतियों के खिलाफ लोग सड़कों पर उतर रहे हैं। इस साल यूरोपीय संघ (EU) के 27 देशों में 19 अक्टूबर तक करीब 22 हजार प्रदर्शन दर्ज किए गए।

इनमें फ्रांस सबसे आगे रहा। यूरोपीय संघ की कुल आबादी में फ्रांस की हिस्सेदारी 15% है। यहां हिंसा के साथ हुए प्रदर्शनों की संख्या 950 रही। इस साल फ्रांस का हिंसक प्रदर्शनों में 66% हिस्सेदारी रही।

फ्रांस के बाद जर्मनी में भी विरोध प्रदर्शन तेज हो गए हैं। 'जेन जी रेजिस्ट' नाम के संगठन के बुलावे पर देश के 34 शहरों में एक लाख से ज्यादा युवा सड़कों पर उतरे। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और पर्यावरण की सुरक्षा से जुड़ी मांगें उठाईं। बर्लिन और फ्रैंकफर्ट समेत कई शहरों में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं। इस दौरान दुकानों में तोड़फोड़ और लूटपाट की घटनाएं भी सामने आईं। वैश्विक संगठन एक्लेड के मुताबिक, यूरोपीय संघ में इस साल प्रदर्शन पिछले पांच साल के औसत से 7% कम हुए हैं। 2022 में करीब 24 हजार, 2023 में 23 हजार, 2024 में 24 हजार और 2025 में 21 हजार प्रदर्शन हुए थे। हालांकि, पोलैंड में पिछले साल के मुकाबले प्रदर्शन 50% से ज्यादा और ग्रीस में 25% बढ़े हैं। वहीं, 2022 के मुकाबले ब्रिटेन में प्रदर्शन करीब 50% कम हुए हैं। स्पेन में भी इनकी संख्या घटी है। पिछले पांच साल में यूरोपीय संघ में हिंसक प्रदर्शन सामान्य से करीब तीन गुना बढ़े हैं। इनमें ज्यादातर घटनाएं पिछले तीन साल में हुई हैं। फ्रांस की अर्थव्यवस्था इस साल सिर्फ 0.4% बढ़ने का अनुमान है, जबकि पिछले कुछ सालों में यह औसतन 1.4% की रफ्तार से बढ़ रही थी।

फ्रांस में लगातार तीसरे हफ्ते प्रदर्शन जारी, 560 गिरफ्तार

फ्रांस में इस साल करीब 7300 प्रदर्शन हुए। यहां महंगाई और खराब होती शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ लगातार तीसरे हफ्ते प्रदर्शन जारी रहे। छात्र और कर्मचारी सड़कों पर उतर आए। सरकार के मुताबिक, देशभर में करीब 3.2 लाख लोगों ने प्रदर्शन किया।

इससे पहले 17 अक्टूबर को 5.5 लाख और 24 अक्टूबर को 4 लाख से ज्यादा लोग सड़कों पर उतरे थे। इन प्रदर्शनों की शुरुआत स्कूलों की खराब इमारतों, शिक्षकों की कमी और विश्वविद्यालयों की बदहाल व्यवस्था से नाराज छात्रों ने की थी। बाद में मजदूर संगठनों और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से नाराज लोग भी इसमें शामिल हो गए। इस दौरान 560 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया।

अक्टूबर में यूरोप के कुल 8 देशों में आंदोलन हुए। इनमें फ्रांस, इटली, जर्मनी, अल्बानिया, स्पेन, ग्रीस, बेल्जियम, सर्बिया शामिल है।

सऊदी अरब के हमलों से दहला यमन का हदीदा पोर्ट

सना, एजेंसी

यमन में संघर्ष एक बार फिर तेज हो गया है। हूती विद्रोहियों के मुताबिक, सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने लाल सागर के पास स्थित हदीदा प्रांत में एक प्रमुख बंदरगाह और तेल सुविधा केंद्र को निशाना बनाकर हवाई हमले किए। इन हमलों में कुल 7 लोगों के घायल होने की खबर है। हूती स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अनीस अल-अस्बाही ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट के माध्यम से इस बात की जानकारी दी। मिली जानकारी के अनुसार, रास ईसा पोर्ट पर हुए हमलों में 4 नागरिक घायल हो गए। हूती टीवी चैनल अल-मसीरा के अनुसार, इस बंदरगाह पर एक जेट्टी और एक कमर्शियल जहाज को भी निशाना बनाया गया। इसके अलावा दूसरा बड़ा हमला बजील जिला में हुआ। यहां एक तेल सुविधा केंद्र पर हुए हमले में 3 अन्य लोग घायल हो गए। इन हमलों से भड़के हूती गुट ने सऊदी गठबंधन पर तीखा हमला बोला है। प्रवक्ता अनीस अल-अस्बाही ने कहा कि तेल के ठिकानों और महत्वपूर्ण बंदरगाहों पर ये बार-बार होने वाले हमले अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का खुला उल्लंघन हैं। यह यमन में नागरिकों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए जा रहे युद्ध अपराधों की कड़ी में एक और इजाफा है। गौरतलब है कि दुनिया के सबसे गरीब देशों में शुमार यमन में पिछले कई सालों से भयानक गृहयुद्ध छिड़ा हुआ है। एक तरफ ईरान समर्थित हूती विद्रोही हैं, तो दूसरी तरफ यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का समर्थन करने वाला सऊदी-नीत गठबंधन है, जिसके चलते यह क्षेत्र लगातार संघर्ष और तबाही का सामना कर रहा है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96